राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 10 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–254 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात की महिलाओं के लिए केजरीवाल का बड़ा ऐलान, सरकार बनी तो खाते में देंगे इतने रुपए

केजरीवाल ने सरकार बनने पर गुजरात की महिलाओं के लिए एक हजार रुपए खाते में भेजने की बात कही है। केजरीवाल ने घोषणा करते हुए कहा कि,1,000 रुपए हर महिला के खाते में देंगे ,अब उनका भाई आ गया है।

अहमदाबाद। अपने गुजरात दौरे पर गए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में आम पार्टी की सरकार बनने पर गुजरात की महिलाओं के खाते में 1 हजार रुपए भेजने का वादा किया है। रविवार को केजरीवाल एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जनसभा में केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद थे। केजरीवाल ने सरकार बनने पर गुजरात की महिलाओं के लिए एक हजार रुपए खाते में भेजने की बात कही है। केजरीवाल ने घोषणा करते हुए कहा कि,1,000 रुपए हर महिला के खाते में देंगे

गुजराती में कहा- बहनों को चिंता करने की जरूरत नहीं ,भाई आ गया है

जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल गुजराती रंग में रंगे नजर आए। भाषण देते हुए केजरीवाल ने माइक पर गुजराती में कहा कि, मैं अपनी बहनों से कहना चाहता हूं, उन्हें अब चिंता करने की जरूरत नहीं, तुम्हारा भाई आ गया है।÷

केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत

मान ने शनिवार को गुजरात के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत की थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित गुजरात में इस साल दिसंबर में विधानसभा चुनाव होना है। आम आदमी पार्टी (आप) के दोनों नेता आदिवासी बहुल वलसाड़ जिले के धरमपुर और सूरत जिले के कड़ोदरा में जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे।

केजरीवाल मुख्य विपक्ष बनने की कर रहें हैं कोशिश

आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल और मान ने शनिवार को दाहोद शहर में एक जनसभा को संबोधित किया था तथा वड़ोदरा में तिरंगा यात्रा में भाग लिया था। गौरतलब है कि आप गुजरात में खुद को भाजपा के मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। गुजरात में 27 वर्ष से भाजपा की सरकार है।

सड़क के कुत्ते की इज्जत है लेकिन मुसलमान की नहीं, खुली जेल में जिंदगी काट रहे हम-असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने मुसलमानों को लेकर केंद्र सरकार पर फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश के जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहां मुसलमान खुली जेल में जिंदगी काट रहा है। ओवैसी ने कहा, देख लीजिए कि देश में क्या हो रहा है। उत्तर प्रदेश में क्या हो रहा है। जहां-जहां भाजपा की सरकार है वहां मुसलमान खुली जेल में जिंदगी काट रहा है। मदरसों को गिराया जा रहा है। ओवैसी ने कहा, गुजरात में क्या हुआ बताइए। कहा गया कि मुसलमानों ने डांडिया में पत्थर फेंके। पुलिस ने मुस्लिम नौजवानों की पकड़ा और उन्हें बीच रास्ते पर लेकर आए। इन लोगों को एक खंभे से बांध दिया गया। वहां पर 300-400 लोग खड़े थे। पुलिसकर्मी जैसे ही मुसलमान की पीठ पर लाठी मारता है, वहां बैठे लोग नारे लगाने लगते हैं। AIMIM चीफ ने कहा कि मुसलमान को सड़क पर लाकर मारा जाना जुल्म नहीं तो क्या है? क्या यही भारत का लोकतंत्र है? क्या यह भारत का संविधान है? आखिर मौलिक अधिकार, कानून-व्यवस्था और धर्मनिरपेक्षता कहां है? उन्होंने कहा कि सड़क के कुत्ते की इज्जत है लेकिन मुसलमान की नहीं।

लोकसभा की जिन 144 सीटों पर हारी बीजेपी.. मोदी वहां करेंगे ताबड़तोड़ 40 रैलियां

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने 2024 लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने को लेकर खाका तैयार कर लिया है। बीजेपी 144 लोकसभा सीटों पर 40 रैलियां करने की तैयारी में है, ये वो सीटें हैं जहां 2019 में उसे हार का सामना करना पड़ा था। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इन रैलियों को संबोधित करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, लोकसभा प्रवास योजना फेज-2 के तहत बीजेपी ने देश भर की 144 कमजोर या हारी हुई लोकसभा सीटों के लिए योजना बनाई है। इसके तहत पीएम मोदी 40 जगहों पर 40 बड़ी रैलियां करने वाले हैं। प्रधानमंत्री की ये 40 जनसभाएं सभी 40 क्लस्टर में होंगी। बाकी 104 सीटों की जिम्मेदारी बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों पर प्रमुखता से होगी, जो यहां रैलियां करेंगे।

स्थानीय लोगों के साथ होंगी कई बैठकें

भाजपा की रणनीति यह है कि प्रवास के दौरान क्लस्टर प्रभारी स्थानीय हस्तियों के साथ बैठकें करेंगे। बीजेपी के असंतुष्ट नेताओं की शिकायतों को सुना जाएगा और उनका समाधान निकाला जाएगा। प्रवास योजना फेज-2 के तहत केंद्र सरकार के सभी 40 मंत्रियों को 5 सूत्री काम करना होगा। जो कि इस प्रकार से है... पहला- कैंपेन प्लान को लागू करना, दूसरा- पब्लिक आउटरीच कार्यक्रम चलाना, तीसरा- राजनीतिक प्रबंधन, चौथा- नैरेटिव मैनेजमेंट सेट करना और पांचवां- क्लस्टर के लोकसभा क्षेत्र में रात भर रहना।

सामुदायिक उत्सवों और रीति-रिवाजों में लेंगे भाग

प्रवास के दौरान क्लस्टर प्रभारी कैबिनेट मंत्री को स्थानीय धार्मिक नेताओं, संतों और विभिन्न समुदायों के स्थानीय नेताओं के साथ उनके घर/स्थान पर बैठक करेगा।

सुप्रीम कोर्ट गवाहों के बयान में देरी को लेकर सख्त, कहा- 24 घंटे के भीतर दर्ज किया जाना चाहिए स्टेटमेंट

शीर्ष अदालत हत्या के एक मामले में दो व्यक्तियों को इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत निरस्त करने की मांग करने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गवाह का बयान अथवा उससे जिरह उसी दिन या अगले दिन की जानी चाहिए। इसके स्थगन का कोई आधार नहीं होना चाहिए। शीर्ष अदालत हत्या के एक मामले में दो व्यक्तियों को इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत निरस्त करने की मांग करने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

बयान रिकार्ड करने में लगा तीन महीनों का वक्त

अदालत को बताया गया कि अभियोजन पक्ष के एक गवाह का बयान रिकार्ड करने में लगभग तीन महीने लग गए। जस्टिस अजय रस्तोगी और सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा, कानून यही कहता है कि मुख्य गवाही और जिरह उसी दिन या अगले दिन की जानी चाहिए।

छह सप्ताह बाद होगी सुनवाई-हाई कोर्ट ने फरवरी और मार्च में दिए गए दो अलग-अलग आदेशों में, उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में हत्या सहित विभिन्न अपराधों के लिए दर्ज मामले में दो व्यक्तियों को जमानत दी थी। शीर्ष अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान पीठ को बताया गया कि सूची के अनुसार तीन प्रत्यक्षदर्शी गवाह हैं। एक गवाह का बयान दर्ज करने में तीन महीने का समय लग गया। मामले में आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। पीठ ने मामले की सुनवाई के लिए छह सप्ताह बाद की तारीख निर्धारित की है।

Falcon 9 ने Intelsat के गैलेक्सी 33 और 34 वीडियो रिले उपग्रहों को सफलतापूर्वक किया लॉन्च

नई दिल्ली। SpaceX ने Falcon 9 रॉकेट को ऑर्बिट में सक्सेसफुली लॉन्च कर दिया है। बैक-टू-बैक स्क्रब एक के बाद एक, स्पेसएक्स ने शनिवार शाम केप कैनावेरल से चार टन इंटेलसेट संचार उपग्रहों की एक जोड़ी लॉन्च की, इस सप्ताह फाल्कन 9 रॉकेट की यह तीसरी उड़ान थी। फाल्कन 9 रॉकेट ने नौ केरोसिन-ईंधन वाले मर्लिन 1 डी इंजनों को प्रज्वलित किया और केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से शाम 7:05 बजे दूर चला गया। शनिवार पूर्वी डेलाइट समय। एक मिनट से भी कम समय में, फाल्कन 9 रॉकेट ध्वनि की गति से आगे बढ़ गया, जब नौ मुख्य इंजन पैड 40 से पूर्व की ओर मुड़े हुए थे। बुधवार को एक

के बाद एक लॉन्च होने के बाद तीन दिनों से कुछ अधिक समय में, Falcon 9 ने Intelsat के गैलेक्सी 33 और 34 वीडियो रिले उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। बुधवार को फ्लोरिडा से एक फाल्कन 9 लॉन्च में, चार लोगों का एक दल अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा, इसके बाद कैलिफोर्निया से स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रहों के साथ सात घंटे बाद दूसरा फाल्कन 9 लॉन्च हुआ - दो फाल्कन 9 उड़ानों के बीच यह सबसे कम समय अंतराल में हुआ।

ड्रैगन का पांचवां परिचालन मानव अंतरिक्ष यान मिशन हुआ लॉन्च

इससे पहले स्पेसएक्स और नासा ने बुधवार को फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए ड्रैगन का पांचवां परिचालन मानव अंतरिक्ष यान मिशन लॉन्च किया था। अंतरिक्ष यान में नासा के 2 अंतरिक्ष यात्री, एक रूसी अंतरिक्ष यात्री और एक जापानी अंतरिक्ष यात्री हैं।

यह पहली बार है जब एलोन मस्क के नेतृत्व वाली कंपनी ने अपने वाहन पर एक रूसी अंतरिक्ष यात्री लॉन्च किया है, जो नासा और रोस्कोस्मोस के बीच एक एक्सचेंज डील का हिस्सा है।

क्रू -5 फ्लाइट में नासा के अंतरिक्ष यात्री निकोल मान और जोश कसाडा, क्रमशः मिशन कमांडर और पायलट के रूप में काम करेंगे। वहीं, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री कोइची वाकाटा और रोस्कोस्मोस कॉस्मोनॉट अन्ना किकिना मिशन विशेषज्ञ के रूप में काम करेंगे।

बहराइच के बारावफात जुलूस में बड़ा हादसा, हाई वोल्टेज करंट से 6 लोगों की मौत

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में बारावफात के जुलूस के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जुलूस में हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आने से 6 लोगों की मौत हो गई है और 2 लोग घायल हुए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर दुख जताया है और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है। सीएम योगी ने डीएम और पुलिस के सीनियर अधिकारियों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। नानपारा इलाके के मासुकपुर में जुलूस में आगे आगे चल रहे डीजे पर गांव के बाहर निकलते ही हाईटेंशन तार टूट कर गिर गया। तार की चपेट में आकर गांव निवासी 24 वर्षीय अशरफ अली, 8 वर्षीय

अरफात,18 वर्षीय इलियास व 14 वर्षीय शफीक ,सुफियान 18 वर्ष निवासी चौरीकुटिया की मौके पर झुलस कर मौत हो गई। जबकि तबरेज समेत चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए।आनन फानन में सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानपारा में इलाज के लिए पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान लखनऊ ले जाते हुए तबरेज की भी मौत हो गई। तीन अन्य लोगों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। चिकित्सकों ने उनकी हालत चिंताजनक बताई है। घटना से परिवार जन में कोहराम मचा हुआ है। छह मौतों से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि फरमान व जहीर ने बताया कि हाईटेंशन तार नीचे लटक रहा था। इसे दुरुस्त करने को कहा गया था।

धनुष–बाण पहला नहीं, कभी रेल इंजन, कभी ढाल–तलवार; शिवसेना का पुराना है चिह्न का इतिहास

मुंबई। महाराष्ट्र में शुरू हुई शिवसेना पर अधिकार की जंग अहम पड़ाव पर है। भारत निर्वाचन आयोग ने पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न 'धनुष-बाण' को फ्रीज कर दिया है। ऐसे में अब उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास विकल्प नया नाम और चिह्न चुननके बचा है। हालांकि, 5 दशक से ज्यादा पुरानी शिवसेना का चुनावी इतिहास देखें, तो पार्टी कई बार अलग-अलग चिह्नों पर चुनावी मैदान में उतर चुकी है।

पहले मौजूदा चिह्न और नाम का इतिहास-जून 1966 में दिवंगत बाल ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना की थी। तब से अब तक पार्टी के चुनावी सफर में कई चिह्न नजर आए। इनमें रेल इंजन, पेड़

और ढाल-तलवार शामिल है। साल 1989 में 4 सांसदों के लोकसभा पहुंचने के बाद पार्टी को मौजूदा 'धनुष-बाण' का चिह्न मिला था। जबकि, पार्टी को नाम बाल ठाकरे के पिता केशव सीताराम ठाकरे 'प्रबोधंकर' ने दिया था।

अब अलग-अलग चिह्नों पर चर्चा-कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 1966 से अस्तित्व में आई शिवसेना ने जब 1968 में मुंबई नगर निगम का चुनाव लड़ा, तो पार्टी का चिह्न ढाल और तलवार था। वहीं, 1980 के समय में पार्टी का रेल इंजन चिह्न चर्चा में रहा। साल 1978 का चुनाव पार्टी ने रेल इंजन के निशान पर ही लड़ा था। खबर है कि साल 1985 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना उम्मीदवार टॉर्च, बैट-बॉल जैसे चिह्न लेकर मैदान में उतरे थे।

फिर चुनना होगा नया चिह्न

खास बात है कि चुनाव आयोग की तरफ से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब पार्टियां अंधेरी पूर्व में उपचुनाव के लिए तैयारियां कर रही हैं। ऐसे में आयोग की तरफ से पार्टी के नाम और चिह्न को फ्रीज करने से नई चुनौती खड़ी होती दिख रही है। फिलहाल, पार्टी को दूसरे चिह्न आवंटित किए जाएंगे। दोनों गुट आयोग की तरफ से दिए गए चिह्नों में से पसंदीदा चुन सकते हैं।

शिवसेना में कहां से शुरू हुआ तनाव-जिस शिवसेना की शुरुआत 56 साल पहले यानी 1966 में जून के महीने में हुई थी। उसी शिवसेना को जून 2022 में फूट का सामना भी करना पड़ा। पार्टी के दिग्गज एकनाथ शिंदे के समर्थन में करीब 50 विधायकों ने उद्धव को अलविदा कह दिया था। इसके बाद राज्य में महाविकास अघाड़ी की सरकार गिर गई थी। बाद में शिंदे कैंप ने भारतीय जनता के साथ मिलकर सरकार बनाई, जिसमें शिंदे सीएम बने।

दिवाली से पहले जारी होगी प्रधानमंत्री किसान निधि की किस्त

पीएम मोदी किसानों के खाते में भेजेंगे 20 हजार करोड़

नई दिल्ली। दिवाली से पहले किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की 12वीं किस्त मिल जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 अक्टूबर को पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित समारोह में इस किस्त को जारी करेंगे। पीएम मोदी दो दिवसीय राष्ट्रीय एग्री स्टार्टअप कान्क्लेव और किसान सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद देश के किसानों को भी संबोधित करेंगे। सम्मेलन में देशभर से तकरीबन 25 हजार से अधिक उन्नत खेती करने वाले किसानों को आमंत्रित किया गया है।

दिवाली से पहले किसानों को सौगात

दिवाली से पूर्व किसानों को पीएम किसान निधि की दो हजार रुपये की 12वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार है। अनुमान है कि इस बार कुल 10 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में तकरीबन 20 हजार करोड़ रुपये पहुंचा दिए जाएंगे। पीएम किसान सम्मान निधि से देश के कुल 11.30 करोड़ किसानों को 11 किस्तों में कुल 2.10 लाख करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इस बार की किस्त जारी करने से पहले कृषि मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों को अपने यहां किसानों की पात्रता की जांच करने का निर्देश दिया है। जिनके बैंक खाते, आधार नंबर, जमीन का डिजिटल ब्यौरा समेत निर्धारित मानक पूरे नहीं होंगे, इस बार उनकी किस्त रोकी जा सकती है। पात्रता सूची को

अपडेट कर मानकों पर खरा उतरने वाले किसानों को ही इस बार वाली किस्त दिए जाने की संभावना है।

प्रगतिशील किसानों को किया गया आमंत्रित-पूसा मेला ग्राउंड में होने वाले 17 और 18 अक्तूबर के राष्ट्रीय स्टार्टअप कान्क्लेव और किसान सम्मेलन में उन किसानों प्रतिनिधियों को बुलाया गया है, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में अपनी उन्नत खेती के बल पर अपनी आमदनी को दोगुना कर लिया है। आयोजन में 300 से ज्यादा स्टार्टअप स्टाल लगाए जाएंगे। कृषि क्षेत्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की रफ्तार परियोजना के तहत कुल 3000 से अधिक स्टार्टअप वाले उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आगामी तीन वर्षों के भीतर कुल 5000 स्टार्टअप उद्यमियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। जिन स्टार्टअप ने बेहतर प्रदर्शन किया है, उनकी उपलब्धियों का कृषि क्षेत्र में उपयोग करने पर बल दिया जाएगा। देश में स्टार्टअप को विकसित करने के लिए सरकार ने एक हजार करोड़ रुपये के सीड फंड का प्रविधान किया है।

इस बार की किस्त जारी करने से पहले कृषि मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों को अपने यहां किसानों की पात्रता की जांच करने का निर्देश दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नये युग में दस्तक

उम्मीद है कि अगले साल के अंत तक शेष देश में यह सेवा विस्तार पा ले। लेकिन यह तय है कि अल्ट्रा हाई स्पीड इंटरनेट सेवा देश के सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक, चिकित्सा व शैक्षिक क्षेत्र में बड़े बदलावों की वाहक बनेगी।

अर्थव्यवस्था को गति देगी 5-जी सेवा/ भले ही कुछ विलंब से ही सही, देश के आठ शहरों में पांचवीं पीढ़ी की फाइव-जी मोबाइल सेवा की औपचारिक शुरुआत हो गई। उम्मीद है कि अगले साल के अंत तक शेष देश में यह सेवा विस्तार पा ले। लेकिन यह तय है कि अल्ट्रा हाई स्पीड इंटरनेट सेवा देश के सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक, चिकित्सा व शैक्षिक क्षेत्र में बड़े बदलावों की वाहक बनेगी। वैसे एक बड़ी कंपनी ने चुनिंदा शहरों में 5-जी शुरुआत के साथ ही मार्च 2024 तक पूरे देश में सेवा देना का भरोसा दिया है। वहीं दूसरी सबसे बड़ी कंपनी ने सबसे सस्ती सेवा के वायदे के साथ अगले साल दिसंबर तक पूरे देश में सेवा देना का वायदा किया है। दावा है कि नयी सेवा से इंटरनेट की स्पीड दस गुना से अधिक हो जायेगी, जो कालांतर ऑटोमेशन, ई-मेडिसिन, शिक्षा व कृषि आदि क्षेत्रों में बदलावकारी परिवर्तन लायेगी। वहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोट निर्माण से जुड़े उद्योगों के साथ ही प्रशासन में इंटरनेट की बड़ी भूमिका हो जाएगी। निस्संदेह नयी सेवा की स्थापना में बड़ी लागत आयेगी। स्पेक्ट्रम की नीलामी लागत भी मायने रखेगी, फिर मुनाफे की सोच के साथ इस सेवा की कीमत का निर्धारण होगा। बहुत संभव है कि शुरुआती दौर में आम आदमी को सेवा महंगी मिले। यदि कारोबार में किसी बड़ी कंपनी का वर्चस्व रहेगा तो वह मनमानी कीमतें निर्धारण का प्रयास करेगी। बहरहाल, देर-सवेर आम उपभोक्ता को प्रत्यक्ष व परोक्ष लाभ जरूरी मिलेगा। वहीं सरकार भी कह रही है कि तीव्र गति की मोबाइल इंटरनेट सेवा का लाभ आम भारतीय तक पहुंचाना ही उसका लक्ष्य है। सरकार चाहती है कि नयी पीढ़ी इस सेवा के बहुआयामी पक्षों का उपयोग करे। एक सर्वे बताता है कि देश के करीब दस करोड़ उपभोक्ता 5-जी सेवा के उपयोग के लिये तैयार हैं। वहीं सरकार का दावा है कि वर्ष 2035 तक देश की अर्थव्यवस्था में इस सेवा का प्रभाव चार सौ पचास अरब डॉलर तक का होगा। निस्संदेह, अब देश में उपभोक्ताओं को 5-जी क्षमता वाले स्मार्ट फोन की जरूरत होगी, जिसकी कीमत अभी काफी ज्यादा है। इस सेवा से जुड़ने की भारतीयों की ललक बताती है कि मांग-आपूर्ति का संतुलन इसकी कीमतों में कमी लायेगा। खासकर युवा पीढ़ी में इस सुपरफास्ट इंटरनेट से जुड़ने की तीव्र इच्छा है। ताकि अपनी पसंद की सूचनाएं डाउनलोड करने में सुविधा हो सकेगी। कुछ विशेषज्ञ इस तकनीक से नाटकीय बदलावों की बात करते हैं। मसलन बिना ड्राइवर की गाड़ियां सड़क पर नजर आने तथा चिकित्सक द्वारा दूर से सर्जरी करने का हकीकत बनना भी संभव हो सकेगा। लेकिन इसके साथ कई तरह की चुनौतियां भी सामने हैं, मसलन सेवा के क्रियान्वयन में बड़े निवेश की भी आवश्यकता होगी और नये सिरे से इसका तंत्र विकसित करना होगा। वहीं साधारण उपभोक्ता के लिये थ्री-जी व फोर जी सेवा को भी सुचारू रखने की जरूरत होगी। सरकार से ऐसे फैसलों की उम्मीद है जिससे आम आदमी फाइव-जी मोबाइल व सेवा की कीमत आसानी से चुका सके।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

मालिक (नौकर से), 'पर तुमने पिछले नौकरी क्यों छोड़ी ?'

नौकर, 'परेशानी के कारण।'

मालिक, 'कैसी परेशानी थी तुम्हें ?'

नौकर, 'मुझे नहीं, वे लोग मुझसे परेशानी हो गए थे।'

□ □ □

मालिक (नौकर से),'तुमसे बोला था कि वह पैकेट संजू जी के घर दे आना, गए क्यों नहीं।'

नौकर, 'मालिक गया तो था लेकिन पैकेट देता किसे ?' उनके घर के बाहर बोर्ड लिखा था 'सावधान, यहां कुत्ते रहते हैं।'

□ □ □

एक मोटी महिला के इलाज के क्रम में परिक्षण के बाद डाक्टर ने कहा, 'आपके रोग का कारण मोटापा है, इसलिए आपको हमेशा कुछ न कुछ करते रहना चाहिए।'

'करती हूं, डाक्टर साहब। मैं हमेशा आराम करती रहती हूं।' मोटी महिला ने जवाब दिया।

□ □ □

पिता, 'बेटा तुम्हें यह ईनाम किस बात के लिए मिला ?'

बेटा, 'वाद-विवाद प्रतियोगिता में एक घंटा बोलने पर।'

पिता, 'विषय क्या था।'

बेटा, 'कम बोलने के फायदे।'

(10 अक्टुम्बर) अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस

लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर प्रीपेयरडनेस एंड रिस्पांस 1962 में स्थापित एक संगठन है। यह एक गैर लाभकारी संगठन है जिसमें स्वयंसेवक, पेशेवर और संगठन शामिल हैं जो आपातकाल तैयारी की योजनाओं के साथ सक्रिय है। यह संगठन पेशेवर नेटवर्किंग, संसाधन वितरण और आपदाओं के जवाब में प्रमुख अवसर प्रदान करता है।

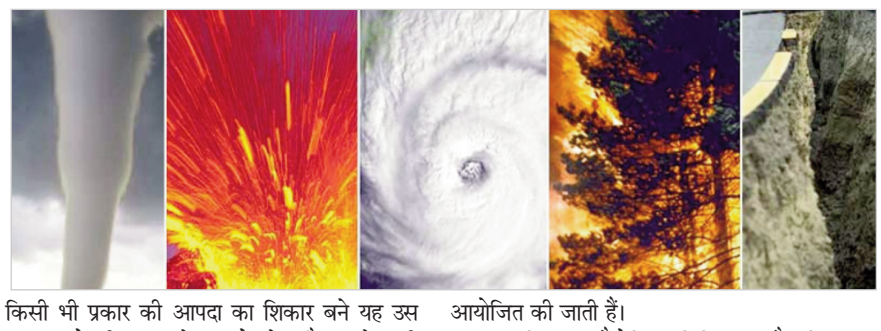

2022 का लक्ष्य है : '2030 तक लोगों के लिए बहु-खतरनाक प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और आपदा जोखिम की जानकारी और आकलन की उपलब्धता और पहुंच में पर्याप्त वृद्धि करना'। प्राकृतिक आपदा निवारण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 10 अक्टूबर को प्राकृतिक आपदा के बारे में जागरूकता फैलाने और इस संकट को प्रबंधित करने के विभिन्न तरीकों के साथ मनाया जाता है। प्राकृतिक आपदाएं दुनिया के लगभग सभी देशों में होती हैं और यह जिंदगी के अस्तित्व में आने के बाद से मानव जाति के लिए एक आम बात है। प्राकृतिक आपदाओं में तूफान, भूकंप, चक्रवात, हिमस्खलन और सुनामी शामिल हैं।

इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर प्रीपेयरडनेस एंड रिस्पांस 1962 में स्थापित एक संगठन है। यह एक गैर लाभकारी संगठन है जिसमें स्वयंसेवक, पेशेवर और संगठन शामिल हैं जो आपातकाल तैयारी की योजनाओं के साथ सक्रिय है। यह संगठन पेशेवर नेटवर्किंग, संसाधन वितरण और आपदाओं के जवाब में प्रमुख अवसर प्रदान करता है। इस संगठन को काम करते हुए अब तक 4 दशक से भी अधिक समय हो चुका है और इसने प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ एक कौशल रक्षा प्रणाली का निर्माण करने का कार्य भी किया है।

राष्ट्रीय आपदा के निवारण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस की शुरुआत वर्ष 2009 से शुरू हुई। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अक्टूबर के दूसरे बुधवार को प्राकृतिक आपदा को कम करने के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का पालन करने का निर्णय लिया। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 64 /200 रिज़ॉल्यूशन, जो 21 दिसंबर 2009 को पारित किया गया था, से दूसरे बुधवार के एक क्लॉज में संशोधन किया गया और एक निश्चित तारीख हर साल की 13 अक्टूबर को प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने के लिए तय की गई। इस दिवस लोगों के बीच जागरूकता को बढ़ाने और उन्हें दुनिया भर में आपदाओं के खतरे को कम करने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करना था। आपदा न्यूनीकरण के तीसरे विश्व सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र को उन लोगों द्वारा की गई लापरवाही से अवगत कराना था जिनसे पिछले साल की तुलना में अधिक संख्या में आपदा से संबंधित मौत हुई थी।

क्यों मनाया जाता है?

इस ऐतिहासिक दिन का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह प्राकृतिक आपदा, उनकी विभिन्न श्रेणियों, उनके परिणामों और प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के तरीकों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक मंच है। इस दिन प्राकृतिक आपदाओं के बारे में ज्ञान फैलाने के लिए स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती है। राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि सभी प्रकार की घटनाओं के लिए सभी को तैयार किया जा सके। यह दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दुनिया में सभी लोगों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देता है। इससे पहले कि वे किसी भी प्रकार की आपदा का शिकार बने यह उस आपदा को भी दूर करने पर जोर देता है। इससे सभी लोगों को ऐसी प्राकृतिक आपदाओं की घटना के साथ मानव जाति के जोखिम के बारे में शिक्षा मिलती है।

हर देश के हिसाब से इस दिन को मनाने के बारे

भारत

भारत एक बड़ा देश है और देश की आबादी का उपयोग सकारात्मक आपदा और आपदा प्रबंधन के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए किया गया है। इस देश का योगदान बाकी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में आपदाओं की घटना अपेक्षाकृत बाकी देशों से अधिक है लेकिन आपदाओं से निपटने की गति बेहद धीमी है। अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण दिवस पर पूरी आबादी सभी पीढ़ियों के लोगों को इस संघर्ष में शामिल होने के लिए लोगों को खुद असली पर्यावरण खतरों से अवगत कराने और उन अभियानों के एजेंट बनने के लिए भी एक दृष्टिकोण अपनाती है। प्राकृतिक आपदाओं में कमी लाने का प्रचार करने, जागरूकता फैलाने, प्रसार करने और आपदा प्रबंधन के तरीके को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में उत्सव मनाया जाता है जो जलवायु परिस्थितियों में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका

अंतर्राष्ट्रीय आपदा कटौती का अंतर्राष्ट्रीय दिवस संयुक्त राज्य अमेरिका में बहुत उत्साह से छात्रों द्वारा मनाया जाता है। इस दिन सड़कों पर भारी रैलियां आयोजित की जाती हैं। आपदा प्रबंधन पर भाषण देने वाले छात्रों और इसको दूर करने के लिए छात्र इस विषय पर अधिवक्ताओं

चीन

प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 13 अक्टूबर को मनाया जाता है और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश चीन इसको मनाने में अपनी क्षमताओं का भरपूर योगदान देता है। अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण दिवस का मुख्य उद्देश्य आपदाओं के जोखिम को रोकने, आपदाओं के नतीजों को कम करने, अनुसंधान के माध्यम से क्षमता निर्माण, प्रारंभिक अवस्थाओं का पता लगाने और अंत में आपदा पुनर्वास के बाद हालत सामान्य बनाने से है।

ऑस्ट्रेलिया

अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस का उत्सव ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एक वार्षिक अवसर है। इस दिन नए मॉडलों पर विज्ञान प्रदर्शनी, आपदा प्रबंधन के क्षेत्र से निपुण विद्वानों के भाषणों जैसी कई गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

भारत विशाल भौगोलिक विविधता और विशाल विस्तार का देश है। इसके अलावा भारत दुनिया में दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। जब निरंतर नृविध्यिक हस्तक्षेप के साथ इस तरह की भौगोलिक परिवर्तनशीलता जुड़ती है तो देश के लोग मानव निर्मित और प्राकृतिक खतरों के प्रति कमजोर पड़ते हैं। आपदाओं से जोखिम हर समुदाय के लिए अलग-अलग है। समाज में मनोवैज्ञानिक तैयारियां भी आपदाओं के जोखिम को कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भूकंप, दुर्घटना, बाढ़, सुनामी, आग आदि जैसी घटनाओं के लिए उच्च प्रशिक्षित टीमों की आवश्यकता होती है। आपदा प्रबंधन के लिए टीमों का प्रशिक्षण आजकल कई देशों में किया जा रहा है और इसी तरह भारत में भी किया जाना चाहिए। लोगों को सलाह दी जानी चाहिए जब गंभीर मौसम की ख़बरें रेडियो पर आये तो उसे ध्यान से सुने क्योंकि इससे उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। गंभीर मौसम के दौरान लोगों को आपातकालीन किट इस्तेमाल करने की सलाह दी जानी चाहिए। पानी, रेडियो, फ्लैश लाइट्स, गैर नाशवंत खाद्य पदार्थ, प्राथमिक चिकित्सा किट और बैटरी जैसी आवश्यक वस्तुओं का एक पैकेज होनी चाहिए।

हर किसी को घर और संपत्ति के लिए आपदा बीमा करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सुरक्षा बाधाओं का निर्माण अनिवार्य होना चाहिए और आपदा संरक्षण स्तर और स्थानीय चेतावनी प्रणाली के आधार पर एक अच्छी तरह से विकसित आपदा प्रतिक्रिया की योजना होनी चाहिए।

हम तब तक पूरी तरह से दुर्घटनाओं से नहीं बच सकते जब तक हम प्रकृति की गोद में रह रहे हैं और इस संबंध में हमारा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। चूंकि हमें प्राकृतिक वातावरण में रहने की जरूरत है हमें दुर्घटनाओं के बारे में थोड़ा और सावधान रहने की जरूरत है इसे मानव निर्मित या प्राकृतिक होना चाहिए। एक उचित आपदा प्रबंधन मानव जाति के बने सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। यदि हम सफलतापूर्वक एक आदर्श वैज्ञानिक प्रबंधन की योजना तैयार करते हैं तो संभव है कि आपदा के प्रभाव को कम कर सकेंगे जिसका मानव जाति सामना कर रही है और इसी वजह से वर्तमान में परेशान हो रही है।

प्रभावी नियोजन हमेशा किसी भी चीज का सबसे अच्छा प्रतिसाद है जो हमारे नियंत्रण में नहीं है और हमें प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के मामले में ऐसा ही करना चाहिए।

चीन पर लगाम लगाने की रणनीति

ताइवान-भारत साझे हित/ लक्ष्मी शंकर यादव

ताइवान के अनौपचारिक राजदूत बौशुआन गेर ने दो अक्तूबर को एक साक्षात्कार में क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और ताइवान दोनों एक अधिनायकवादी चीन का सामना कर रहे हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि उसकी निरंकुशता के खतरे एवं विस्तार को ध्यान में रखकर भारत और ताइवान को निकट रणनीतिक सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने पूर्व और दक्षिण चीन सागर, हांगकांग और गलवान घाटी में तनाव को रेखांकित करते हुए कहा कि कि इस खतरे से निपटने के लिए भारत और ताइवान को हाथ मिलाने की जरूरत है। चीन की सैन्य आक्रामकता के मद्देनजर ताइवान की खाड़ी में न्याय, शान्ति और स्थिरता के लिए खड़े रहने के लिए उनका देश भारत की सराहना करता है। इस समय भारत और ताइवान साइबर, समुद्र, अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, पर्यटन और पाक कला के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के ताइवान के साथ औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं लेकिन दोनों के बीच व्यापारिक संबंध हैं। नई दिल्ली ने 1995 में ताइपे में दोनों पक्षों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत-ताइपे संघ की स्थापना की थी। गौरतलब है कि ताइवान के मुद्दे को लेकर अमेरिका व चीन की तनातनी बराबर जारी है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का एक साक्षात्कार टीवी चैनल सीबीएस न्यूज द्वारा 18 सितंबर को प्रसारित किया गया था। इस 60 मिनट के कार्यक्रम में जब उनसे पूछा गया कि चीन द्वारा हमले की स्थिति में क्या अमेरिकी सेना, अमेरिकी पुरुष और महिलाएं ताइवान की रक्षा करेंगे तो इसका जवाब उन्होंने हां में दिया। इस साक्षात्कार के प्रसारण के बाद से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और चीन के बीच ताइवान को लेकर तनातनी और गहरी हो गई। जो बाइडेन के इस ताजा बयान के बाद व्हाइट हाउस ने एक बार फिर दोहराया है कि ताइवान को लेकर अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैसे ताइवान को लेकर अमेरिका की नीति हमेशा रणनीतिक अस्पष्टता वाली रही है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका एक चीन नीति का पालन करता है जो बीजिंग के साथ उसके संबंधों की मुख्य आधारशिला है। इसके अगले दिन ताइवान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सरकार के ताइवान की सुरक्षा के पक्के वादे की पुष्टि करने के लिए धन्यवाद किया। जो बाइडेन का यह बयान ऐसे समय में आया जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार ने समुद्र में मिसाइल दागकर और ताइवान के निकटवर्ती इलाकों में लड़ाकू विमान उड़ाकर ताइवान को धमकाने का प्रयास किया है। ऐसे में अब तनाव का बढ़ना स्वाभाविक हो गया है। चीन से तनाव के बीच अमेरिका ने कुछ दिन पहले ही ताइवान को एक अरब डॉलर से अधिक के हथियार देने की घोषणा की है। जो बाइडेन के बयान के बाद चीन ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि वह ताइवान के शांतिपूर्ण एकीकरण के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास करेगा और देश को विभाजित करने के उद्देश्य से की गई किसी भी गतिविधि को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। गत 23 सितंबर को न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर अमेरिकी विदेश मंत्री अंटोनी ब्लिंकन और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच तकरीबन 90 मिनट तक चली प्रत्यक्ष एवं ईमानदार वार्ता में ताइवान पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इस वार्ता में चीन ने अमेरिका पर ताइवान के मसले पर बहुत गलत एवं खतरनाक संकेत भेजने का आरोप लगाया। जबकि अमेरिकी विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि हमारी लम्बे समय से चली आ रही चीन नीति में फिर से कोई बदलाव नहीं किया गया है। ताइवान जल डमरूमध्य में शांन्ति और स्थिरता बनाए रखना अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। चीन व अमेरिका के बीच

बढ़ते तनाव से युद्ध की स्थिति उत्पन्न होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इस कारण साउथ चाइना सी में जंग की तैयारियां बढ़ रही हैं। अमेरिका के ताइवान स्टेट में आने से चीन बुरी तरह से बौखलाया हुआ है और उसने वहां विनाशक हथियारों को तैनात कर दिया है। ताइवान स्टेट में जैसे ही अमेरिका का डेस्टर घुसा वैसे ही चीन ने अपने वॉरशिप पीछा करने के लिए भेज दिए। इसके बाद चीन ने ताइवान में अपने जंगी जेट और जहाजों को भेज दिया। इस तरह चीन ने ताइवान स्टेट में युद्ध का मोर्चा तैयार कर दिया है। चीन ने जो यौद्धिक चक्रव्यूह बनाया है उसके तहत साउथ चाइना सी में दो नये पनडुब्बी बेस बना लिए हैं। ये पनडुब्बी बेस हेनान द्वीप के यूलिन नेवल बेस पर बनाए गए हैं। यहां पर चीन के चार बेस पहले से ही बने हुए हैं। अब यह संख्या 6 हो गई है। युद्धपोतों के मामले में चीन की नौसेना दुनिया की नंबर वन नौसेना है। अब वह अपनी नौसैन्य ताकत बढ़ाने के उद्देश्य से नए युद्धपोतों का निर्माण कर रहा है। दूसरी तरफ ताइवान भी शांत नहीं बैठा है और 10 नए कार्बेट तैयार कर रहा है। इनमें से यंग फेंग द्वितीय एवं यंग फेंग तृतीय एंटी मिसाइलों से लैस होंगे। ये चीन के जहाजों की जल समाधि बनाने में सक्षम हैं।

चीन प्रशान्त महासागर में भी नए सुरक्षा समझौते कर रहा है और कृत्रिम टापुओं का निर्माण कर रहा है। चीन असैन्य नौकाओं और पोतों के जरिए ऐसे काम करने की कोशिश कर रहा है जो सीधे तौर पर सेना की मदद से नहीं किए जा सकते हैं।

(चिंतन-मनन)

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुत- उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रात- स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

अडानी ग्रुप की कंपनी से 20,000 करोड़ जुटाएगी अंबुजा सीमेंट्स

- शेयरधारकों ने 12 प्रस्तावों पर दी मंजूरी

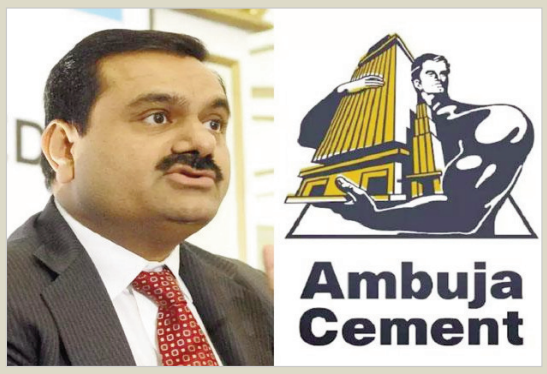

नई दिल्ली । अंबुजा सीमेंट्स को अडानी ग्रुप की कंपनी से 20,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी प्राप्त हो गई है। अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने शेयर बाजारों से कहा कि उसकी असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में रखे गए सभी प्रस्तावों को शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। ईजीएम में अडानी समूह की कंपनी हार्मोनिया ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड को तरजीही आधार पर सिक्युरिटीज जारी करके 20,000 करोड़ रुपए जुटाने के एक विशेष प्रस्ताव को भी पारित किया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 91.37 फीसदी शेयरधारकों के मत पड़े। इसके अलावा अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी, उनके बेटे करण अडानी और दो निदेशकों तथा चार स्वतंत्र निदेशकों को अंबुजा सीमेंट्स के बोर्ड में नियुक्त करने संबंधी प्रस्ताव को भी शेयरधारकों ने मंजूर दी। ईजीएम में गौतम अडानी मौजूद नहीं थे। उनकी जगह बैठक की अध्यक्षता उनके बेटे करण अडानी ने की। इस हफ्ते की शुरुआत में संस्थागत निवेशक परामर्श कंपनी आईआईएए ने शेयरधारकों को 20,000 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव के खिलाफ मत देने की सलाह दी थी। ईजीएम में 12 प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। अडानी समूह ने पिछले महीने अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी सीमेंट का अधिग्रहण सौदा पूरा हो जाने की घोषणा की थी। करीब 53,800 करोड़ रुपए के लेनदेन वाले इस सौदे के तहत इन दोनों सीमेंट उत्पादक कंपनियों में स्विस कंपनी होल्सिम की हिस्सेदारी को अडानी समूह ने ले लिया है।

ओला, उबर और रैपिडो ने की किराए में कटौती

- 60 रुपए प्रति राइड से घटाकर 30 रुपए किया

नई दिल्ली। ओला, उबर और रैपिडो ने कर्नाटक में अपना न्यूनतम किराया 60 रुपए प्रति राइड से घटाकर 30 रुपए कर दिया है। इन कंपनियों ने किराए में कटौती तब की है, जब बढ़ती कीमतों के लिए राज्य परिवहन विभाग ने एक नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में अगले 3 दिनों के लिए बेंगलुरु में सभी एग्रीगेटर-रन ऑटो सर्विस को रोकने के लिए कहा गया था। कंपनियों का दावा है कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि और ऑटो चालकों की आय बढ़ाने के लिए बेस फेयर को बढ़ाकर 60 रुपए कर दिया गया था। कंपनी के दो सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह मामला तब उठा जब पिछले महीने एक ट्रिप का बेस फेयर 30 रुपए से बदलकर 60 रुपए कर दिया गया था। बता दें कि बेंगलुरु में किसी भी यात्रा पर ऑटो फेयर में 3 कंपोनेंट शामिल होते हैं- बेस फेयर, सरकार द्वारा अनिवार्य प्रति किलोमीटर फेयर और एग्रीगेटर द्वारा लिया जाने वाला बुकिंग/कन्वीनियंस फीस। शहर में न्यूनतम ऑटो किराया पहले 2 किमी के लिए 30 रुपए और उसके बाद प्रत्येक किलोमीटर के लिए 15 रुपए सरकार ने तय कर रखा है। सूत्रों ने कहा कि डायरेक्ट बुक किए जाने वाले ऑटो के मुकाबले, एग्रीगेटर्स के साथ बुकिंग में एक पिक-अप कॉम्पोनेंट भी शामिल होता है। जैसे-जैसे तेल की कीमत में बदलाव आया, पिकअप की लागत बढ़ गई और ड्राइवरों के लिए किसी भी बढ़ोतरी को नजरअंदाज कर पिक-अप करना मुश्किल हो गया था। इसके अलावा कोविड-19 के बाद पिक-अप डिस्टेंस भी बढ़ गई हैं। कन्वीनियंस फीस को पहले की तरह ही 40 रुपए रखा गया है जबकि न्यूनतम बेस फेयर, जिसे बढ़ाकर 60 रुपए कर दिया गया था, उसे अब घटाकर 30 रुपए प्रति राइड कर दिया गया है। अब ऑनलाइन राइड के लिए बेसिक फेयर करीब 70 रुपए होगा, जो पहले 100 रुपए था।

OLA Uber rapido BIKE TAXI

(शेयर बाजार समीक्षा) इस सप्ताह टीसीएस, इन्फोसिस के नतीजे तय करेंगे बाजार की चाल

मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े तथा वैश्विक रुझान भी बाजार को दिशा देंगे

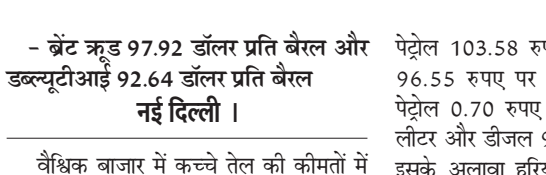

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के तिमाही नतीजों से तय होगी। इसके अलावा मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े तथा वैश्विक रुझान भी बाजार को दिशा देंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपए की चाल पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। रुपया इस समय अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि इस सप्ताह बाजार भागीदारों की नजर आईआईपी, खुदरा और थोक मुद्रास्फीति जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान बजाज ऑटो और एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजे भी आने हैं। अमेरिकी बाजारों का प्रदर्शन, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रुझान, मुद्रा और कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव पर सभी की निगाह रहेगी। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 764.37 अंक के लाभ में रहा। दशहरा के मौके पर बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बंद रहे थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम होने जा रहे हैं। ऐसे में बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के बाजारों की नजर फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर रहेगी, जो इसी सप्ताह आने हैं। वैश्विक निवेशकों की नजर अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर भी थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के साथ तिमाही परिणामों की शुरुआत होगी। बाजार का ध्यान इस सप्ताह तिमाही नतीजों पर रहेगा। खासकर आईटी क्षेत्र की कंपनियों के परिणामों पर। इसके अलावा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगे।

मेक्सिको में एचसीएल टेक 1300 लोगों को देगी रोजगार

नई दिल्ली । तकनीकी क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख कंपनी एचसीएल टेक ने मेक्सिको में अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए अगले दो वर्षों में 1300 लोगों को नियुक्त करने की योजना की घोषणा की। वर्तमान में देश में आईटी कंपनी के 2,400 कर्मचारी हैं। कंपनी ने ग्वाडलजारा में अपनी 14वीं वर्षगांठ समारोह में मेक्सिको में विस्तार योजनाओं की भी घोषणा की। मेक्सिको में एक प्रमाणित शीर्ष नियोक्ता एचसीएलटेक ग्वाडलजारा में अपना छठा प्रौद्योगिकी केंद्र भी खोलेगा। मेक्सिको में अमेरिका और कार्यकारी प्रायोजक के कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष अजय बहल ने कहा कि हम अपने ग्राहकों और भागीदारों के साथ मजबूत साझेदारी करने के लिए भाग्यशाली हैं क्योंकि हम मेक्सिको में विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आज खुलेगा इस कंपनी का आईपीओ

मुंबई ।

अगर इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के आईपीओ पर दांव नहीं लगा सके हैं, तब सोमवार को निवेश के लिए तैयार रहें। इस दिन एक और बड़ी कंपनी का आईपीओ आ रहा है। इसकारण अगर शेयर मार्केट में निवेश के लिए प्लान कर रहे हैं, तब पैसे तैयार रखें। मार्केट इंटेलिजेंस डेटा एनालिटिक्स प्रोवाइड कराने वाली ट्रेक्सन टेक्नालाजी का आईपीओ 10 अक्टूबर को खुल रहा है। कंपनी के आईपीओ से 09.38 करोड़ रुपये जुटाने की योजना हैं। पिछले दिनों आए इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के आईपीओ को शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। ट्रेक्सन टेक का आईपीओ 10 से 12 अक्टूबर 2022 तक बोली लगाने के लिए खुला रहेगा। कंपनी ने पब्लिक ऑफर प्राइस बैंड 75 से 80 रुयये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। ट्रेक्सन टेक के एक लॉट में 185 शेयर शामिल हैं। आईपीओ एक बिल्ड इश्यू है और ये पूरी तरह से ओएफएस नेचर का है। कंपनी के प्रमोटरों में को-फाउंडर नेहा सिंह और अभिषेक गोयल 76.6 लाख शेयर की बिक्री करने वाले हैं। वहीं, फ्लिपकार्ट के संस्थापक बिन्नी बंसल और सचिन बंसल 12.63 लाख शेयर बेचने वाले हैं। ट्रेक्सन प्राइवेट मार्केट में प्रमुख डेटा सर्विस प्रोवाइड कराने वाली कंपनी के रूप में उभरी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस आईपीओ में योग्य संस्थागत निवेशकों (क्यूआईआई) के लिए 75 फीसदी कोटा रिजर्व होगा, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों का कोटा 15 फीसदी का कोटा रिजर्व होगा। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 10 फीसदी की हिस्सेदारी रिजर्व होगी। ट्रेक्सन टेक्नालाजी के शेयरों का अलॉटमेंट 17 अक्टूबर को हो सकता है। वहीं, 20 अक्टूबर को कंपनी की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर होगी है। लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को पब्लिक इश्यू का आधिकारिक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। ट्रेक्सन टेक्नालाजी की शुरुआत साल 2012 में की गई थी। इसके फाउंडर नेहा सिंह और अभिषेक गोयल हैं।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ बढ़ा

सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रहीं

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 1,01,043.69 करोड़ रुपए बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 37,581.61 करोड़ रुपए बढ़कर 16,46,182.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 22,082.37 करोड़ रुपए का उछाल आया और यह 11,21,480.95 करोड़ रुपए रहा। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 16,263.25 करोड़ रुपए बढ़कर 6,10,871.36 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक की 13,433.27 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 6,14,589.87 करोड़ रुपए रही। एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन 6,733.19 करोड़ रुपए बढ़कर 4,22,810.22 करोड़ रुपए पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 4,623.07 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 7,96,894.04 करोड़ रुपए रही। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 326.93 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,44,563.66 करोड़ रुपए रहा। इस रुख के विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 23,025.99 करोड़ रुपए के नुकसान से 6,10,623.53 करोड़ रुपए रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत में 3,532.65 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 4,41,386.80 करोड़ रुपए रह गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 624.73 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,73,316.78 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और एचडीएफसी का स्थान रहा।

खुदरा क्षेत्र में नौकरी तलाश करने वाले भारतीयों की संख्या घटी

- अगस्त 2019 से अगस्त 2022 के बीच खुदरा क्षेत्र में रोजगार 5.50 प्रतिशत घटे

नई दिल्ली ।

खुदरा क्षेत्र में नौकरी तलाश करने वाले भारतीयों की संख्या अगस्त 2021 के मुकाबले इस साल अगस्त में 11.80 प्रतिशत घट गई है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान पेश किया गया है। एक वैश्विक रोजगार वेबसाइट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त 2019 से अगस्त 2022 के बीच के समय में खुदरा क्षेत्र में रोजगार 5.50 प्रतिशत घट गए और वैश्विक महामारी के दौरान तथा उसके बाद खुदरा क्षेत्र में नौकरी तलाश करने वाले भारतीय लोगों की संख्या भी घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2020 से अगस्त 2021 के बीच खुदरा रोजगार 27.70 फीसदी बढ़े थे लेकिन अगस्त 2021 से अगस्त 2022 के बीच इनमें 11.80 फीसदी की गिरावट आ गई। ऐसा मोटे तौर पर लॉकडाउन की वजह से और घर से ही काम करने (वर्क फॉम होम) की संस्कृति की वजह से हुआ जिसमें लोगों ने त्योहारों के दौरान भी ऑनलाइन खरीदारी की। यह रिपोर्ट अगस्त 2019 से अगस्त 2022 के बीच इन्डीड मंच पर उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। इसके मुताबिक खुदरा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 22.9 फीसदी नौकरियां शाखा प्रबंधक जैसी प्रबंधन भूमिका के लिए निकलीं जबकि सेल्स एसोसिएट स्तर पर यह आंकड़ा 10.07 फीसदी, स्टोर मैनेजर के लिए 9.52 फीसदी, लॉजिस्टिक्स के लिए 4.58 फीसदी और मर्चेंडाइजर के लिए 4.39 फीसदी रहा। नौकरी करने के इच्छुक लोगों की दिलचस्पी सबसे ज्यादा 15 फीसदी स्टोर मैनेजर पद के लिए, खुदरा सेल्स एसोसएट (14.4 श्द्धह फीसदी), कैशियर (11 फीसदी), शाखा प्रबंधक (9.49 फीसदी) और लॉजिस्टिक्स एसोसिएट (9.08 फीसदी) है। इन्डीड इंडिया ने कहा कि भारत में त्योहारी सीजन में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मौसमी रोजगार में बढ़ोतरी होती है।

हालांकि यह बढ़ोतरी पिछले साल के बराबर तो नहीं है लेकिन करीब 39.6 फीसदी नए रोजगार पैदा हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि खुदरा रोजगार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी बेंगलुरु (12.26 फीसदी) की है। इसके बाद हैं मुंबई (8.2 फीसदी) और चेन्नई (6.02 फीसदी). सबसे ज्यादा 5.5 फीसदी डिलिवरी रोजगार भी बेंगलुरु में पैदा हुए। हालांकि रोजगार पाने के इच्छुक लोगों की संख्या सबसे ज्यादा चेन्नई में 6.29 फीसदी है।

फुटवियर क्षेत्र में देश के लिए बहुत संभावनाएं: पीयूष गोयल

नई दिल्ली:

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि फुटवियर क्षेत्र में देश के लिए बहुत संभावनाएं हैं और निकट भविष्य में देश का उत्पादन तथा निर्यात 10 गुना तक बढ़ सकता है। गोयल ने हाल ही में 'मीट एट आगरा लेदर, फुटवियर कंपोनेंट्स एंड टेक्नोलॉजी फेयर% कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 7,000 लघु उद्योग इकाइयां फुटवियर क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं जो देश की अर्थव्यवस्था में और विदेशी मुद्रा में आय अर्जित करने के लिए बेहद महत्व रखती हैं। इस उद्योग में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं कार्य करती हैं और प्रत्येक 1000 जोड़ी फुटवियर जिनका उत्पादन अथवा विक्रय किया जाता है, उसमें करीब 425 नौकरियां सुरक्षित हैं। भारत, जूता-चप्पल और चमड़े के परिधान का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है और यह विश्व में इस सेक्टर का अग्रणी बन सकता है। भारत में दुनिया का लगभग तीन अरब वर्ग फुट चमड़े का उद्योग कार्यरत है। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख ब्रांड कच्चे माल के लिए भारत पर निर्भर हैं। इस दौरान एक योजना तैयार करने का सुझाव किया ताकि उच्च मूल्य की परियोजनाओं वाले भारतीय ब्रांड वैश्विक बाजार तक अपनी पहुंच स्थापित कर सकें। गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और राष्ट्रीय पैकेजिंग संस्थान को कौशल विकास की दिशा में कार्य करने के लिए सहयोग करना चाहिए ताकि भारतीय तथा वैश्विक बाजार के लिए नए डिजाइन तैयार किए जा सकें।

कफ सीरप से मौत मामले में मेडन ने कहा- वह उन दवाओं की बिक्री भारत में नहीं करती!

नई दिल्ली ।

अफ्रीकी देश गाम्बिया में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से हुई 66 बच्चों की मौत के बाद जांच के घेरे में आई हरियाणा की कंपनी मेडन फार्मास्यूटिकल्स ने एक बयान जारी कर कहा कि मौत की खबरों को सुनकर उसे गहरा दुख पहुंचा है। कंपनी ने कहा कि उसे 5 अक्टूबर को गाम्बिया में उसके एजेंट से इसकी सूचना मिली और अगले ही दिन डब्ल्यूएचओ ने कंपनी के खिलाफ अलर्ट जारी कर दिया। कंपनी ने कहा कि हम 30 सालों से भी अधिक समय से दवाएं बनाने के कारोबार में हैं और ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (इंडिया) समेत सभी स्वास्थ्य प्राधिकरणों के दिशा-निर्देशों का पालन करते हैं। कंपनी ने ये भी कहा जिन कफ सिरप पर सवाल उठाए गए हैं वह उनकी बिक्री भारत में करती ही नहीं है। कंपनी की कफ सिरप जो जांच के दायरे में आई हैं उनके नाम हैं- प्रोमेथाजिन ओरल सॉल्यूशन, कोफेक्समालिन बेबी कफ सिरप, मकॉफ बेबी कफ सिरप और मैग्रीन एन कोल्ड सिरप सवालों के दायरे में है। मेडन फार्मा ने कहा है कि वह अधिकृत प्रतिष्ठित कंपनियों से कच्चा माल उठाती है. उसके पास उन दवाओं के निर्यात के लिए वैध ड्रग अप्रूवल हैं. 1, 3, 6 व 7 अक्टूबर को सरकारी एजेंसियों ने उनकी फैक्ट्री का दौरा किया था और सीडीएससीओ ने उन दवाओं का सैंपल भी कलेक्ट किया था जिन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कंपनी का कहना है कि वह इन सैंप्लस के जांच नतीजों का इंतजार कर रही है। डब्ल्यूएचओ ने गाम्बिया में हुई बच्चों की मौत और भारतीय दवा कंपनी की दवाओं के बीच कथित संबंध को 5 अक्टूबर को उजागर किया था। स्वास्थ्य संगठन के महानिदेश टेड्रोस एधेनॉम ने कहा था कि गुर्दे की बीमारी और 66 बच्चों की मौत का सीधा संबंध इन दवाओं से है। डब्ल्यूएचओ ने जांच में पाया है कि कंपनी की कफ सिरप में डाइथलीन ग्लाइकोल और इथलीन ग्लाइकोल की मात्रा बहुत अधिक है जो किडनी को खराब कर सकता है। एक खबर के अनुसार भारत में भी इस कंपनी की दवाएं संदेह के दायरे में आ चुकी है। केरल व गुजरात में मेडन फार्मा की दवाओं को घटिया क्वालिटी का बताया गया था। इसके अलावा बिहार में इस दवा को सरकारी एजेंसी ने प्रतिबंधित किया है। गौरतलब है कि 2011 में वियतनाम में इस कंपनी की दवाओं को प्रतिबंधित कर दिया था।

हरियाणा और छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल महंगा

- ब्रेंट क्रूड 97.92 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 92.64 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। इससे पहले शुक्रवार और शनिवार को कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली थी। ब्रेंट क्रूड 97.92 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 92.64 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। इधर सरकारी तेल कंपनियों ने देश में पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कर दी है। हालांकि, कीमतों में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। छत्तीसगढ़ में 0.50 रुपए बढ़कर पेट्रोल 103.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 96.55 रुपए पर पहुंच गया है। गुजरात में पेट्रोल 0.70 रुपए गिरकर 96.42 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.17 रुपए का हो गया है। इसके अलावा हरियाणा में पेट्रोल 0.19 रुपए सस्ता होकर 97.24 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल 0.45 रुपए गिरकर 108.36 रुपए और डीजल 93.61 रुपए हो गया है। वहीं पंजाब व उत्तर प्रदेश में राज्य स्तर पर कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

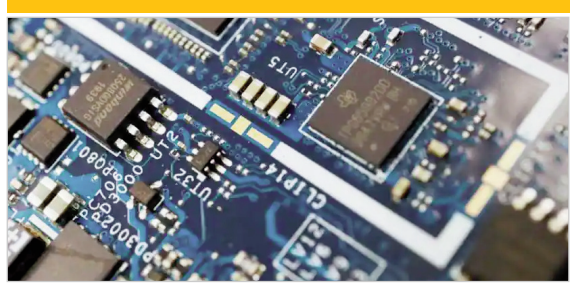

सोना 51 हजार के पार, चांदी भी महंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में सोना की साप्ताहिक कीमतों में तेजी आई है। वहीं चांदी भी महंगी हुई है। इस कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 1,378 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है जबकि चांदी के भाव में 3,531 रुपए प्रति किलोग्राम का उछाल आया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजीए) की वेबसाइट के मुताबिक, 3 से 7 अक्टूबर की शुरुआत में 24 कैरेट सोने की कीमत 50,387 थी, जो शुक्रवार तक बढ़कर 51,765 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। वहीं, 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 57,317 से बढ़कर 60,848 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। बता दें कि आईबीजीए की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है। ये सभी दाम टैक्स और मेकिंग चार्ज के पहले के हैं। आईबीजीए द्वारा जारी किए गए दरें देशभर में सर्वमान्य हैं लेकिन इसकी कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं होती है। बीते एक सप्ताह में सोने की कीमतें 3 अक्टूबर को 50,387 रुपए प्रति 10 ग्राम, 4 अक्टूबर को 51,286 रुपए प्रति 10 ग्राम, 5 अक्टूबर को मार्केट हॉलिडे, 6 अक्टूबर को 51,838 रुपए प्रति 10 ग्राम और 7 अक्टूबर को 51,765 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। वहीं बीते एक सप्ताह में चांदी की कीमतें इस प्रकार रही- 3 अक्टूबर 57,317 रुपए प्रति किलोग्राम, 4 अक्टूबर 61,034 रुपए प्रति किलोग्राम, 5 अक्टूबर मार्केट हॉलिडे, 6 अक्टूबर 60,670 रुपए प्रति किलोग्राम और 7 अक्टूबर 60,848 रुपए प्रति किलोग्राम। गौरतलब है कि जेम्स और ज्वेलरी निर्यात में 2021-22 में तेजी आई है और पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह करीब 55 फीसदी बढ़कर 39.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इंडस्ट्री बॉडी जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने बताया कि रत्न एवं आभूषण का ग्रॉस निर्यात 2020-21 में 25.40 अरब डॉलर रहा।

अमेरिका की सेमीकंडक्टर निर्यात पर सख्ती नियमों का उल्लंघन: चीन

बीजिंग ।

चीन ने उन्नत कंप्यूटर चिप के विनिर्माण की राह में रोड़े अटकाने वाले अमेरिका के सख्त निर्यात कदमों की आलोचना करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय आर्थिक एवं व्यापारिक नियमों का उल्लंघन करता है और उल्टे अमेरिका को ही अलग-थलग कर देगा। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका ने यह कदम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए उठाया है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन की कंपनियों को दबाने और उन्हें जानबूझकर रोकने के लिए निर्यात नियंत्रण के कदम का दुरुपयोग कर रहा है। यह न सिर्फ चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों एवं हितों को चोट पहुंचाएगा बल्कि इससे अमेरिकी कंपनियों के हित भी प्रभावित होंगे। चीन ने यह प्रतिक्रिया अमेरिका की तरफ से एक दिन पहले उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर चिप एवं सेमीकंडक्टर विनिर्माण उपकरणों के निर्यात पर सख्ती बरतने वाले कदम उठाने के बाद दी है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि चीन में सेमीकंडक्टर विनिर्माण या सुपर कंप्यूटर बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के निर्यात के लिए नए लाइसेंस की जरूरत होगी। अमेरिका ने इसे अपने राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति हितों के संरक्षण के लिए उठाया गया कदम बताया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि यह कदम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र को भी राजनीति एवं हथियार की तरह इस्तेमाल करने की कोशिश है लेकिन चीन की प्रगति को यह रोक नहीं पाएगा।

चीन और अमेरिका के बीच के संबंध पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार प्रभावित हुए हैं। नया विवाद चीन में सेमीकंडक्टर विनिर्माण करने वाली कंपनियों को लेकर पैदा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल के इस खिलाड़ी को बताया स्टार

नई दिल्ली । गुजरात में 36वें राष्ट्रीय खेलों में दस साल के शौर्यजीत ने मलखंब में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शौर्यजीत की जमकर प्रशंसा करते हुए उसका एक वीडियो भी साझा किया है। प्रधानमंत्री ने इस छोटी सी उम्र में अपने पिता को खोने के बाद भी मैदान में उतरने के इस बच्चे के जज्बे को सलाम करते हुए उसे एक स्टार खिलाड़ी करार दिया। शौर्यजीत जब राष्ट्रीय खेलों में मलखंब में अपना कौशल दिखा रहे थे। तब वह अंदर से बेहद दुखी थे। . वह अपने पिता का सपना पूरा करने के लिए ही खेल रहे थे। गत 30 सितंबर को शौर्यजीत के पिता का निधन हुआ था। उस समय वह राष्ट्रीय खेलों की तैयारी कर रहे थे। शौर्यजीत तब राष्ट्रीय खेलों से हट भी सकते थे पर उन्होंने पिता का सपना पूरा करने का फैसला किया। इस दौरान मां और कोच ने भी उनका हौसला बढ़ाया। इसके बाद शौर्यजीत ने इन खेलों में भाग लेते हुए शानदार प्रदर्शन किया। पहले दौर में ही शौर्यजीत ने शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रशंसकों ने तालियों से उनका हौंसला बढ़ाया। इस बच्चे ने कहा, 'जिस तरह लोगों ने मेरा हौसला बढ़ाया, वो देखकर काफी गर्व महसूस हुआ। यह मेरे पिता का सपना था कि मैं राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लूं और स्वर्ण पदक जीतूं। मैं इसे जरूर पूरा करूंगा।'

दबाव की बात करने वाले खिलाड़ी आईपीएल नहीं खेलें : कपिल

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि जो खिलाड़ी दबाव की बात करते हैं उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसे टूर्नामेंट नहीं खेलने चाहिये। कपिल ने पहले भी कई बार कहा था कि खिलाड़ियों को लीग क्रिकेट की जगह देश की ओर से खेलने को प्राथमिकता देनी चाहिये। साथ ही कहा था कि केवल पैसे पर ही ध्यान नहीं देना चाहिये। कपिल ने अब एक कार्यक्रम के दौरान फिर कहा, 'आज कल टीवी पर मैं बहुत बार सुनता हूं कि बहुत दबाव है। इसलिए मैं एक ही चीज कहना चाहता हूं मत खेलो। खिलाड़ियों में अगर जुनून है तो दबाव नहीं रहेगा। हम मजे के लिए खेलते है और मजे में दबाव हो ही नहीं सकता है। उन्होंने साथ ही कहा, 'अगर किसी खिलाड़ी में जुनून है तो कोई दबाव नहीं होगा।' गौरतलब है कि आईपीएल में खेलते हुए ही कई खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। तेज गेंदबाज टी नटराजन और ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर आईपीएल के दौरान ही चोटिल हुए थे। वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने भी आईपीएल 2022 में पहला मैच खेलते हुए चोटिल होने के बाद टूर्नामेंट से ही बाहर हो गए थे। वहीं पिछले महीने ही महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा के रन आउट विवाद पर इस महान ऑलराउंडर ने सोशल मीडिया पर कहा था कि हर बार बहस करने के बजाय एक सरल नियम का पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि बेहतर उपाय यह होगा कि बल्लेबाज को उनके रन से वंचित कर देना चाहिए या इसे शॉर्ट रन माना जाना चाहिए।

नटराज ने राष्ट्रीय खेलों की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वर्ण जीता

अहमदाबाद ।

कर्नाटक के श्रीहरि नटराज ने यहां जारी 36 वें राष्ट्रीय खेलों में पुरूषों की 100 मीटर फीस्टाइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। श्रीहरि का इन खेलों में यह छठा स्वर्ण है। नटराज ने 50.41 सेकेंड का समय निकाल कर यह स्वर्ण पदक जीता है। श्रीहरि इन खेलों में सबसे ज्यादा छह स्वर्ण जीतकर पहले नंबर पर हैं। वहीं पांच स्वर्ण जीतकर दूसरे नंबर पर केरल के साजन प्रकाश हैं। साजन ने दो रजत और एक कांस्य पदक भी हासिल किया है। नटराज 100 मीटर फ्रीस्टाइल में शीर्ष पर रहे जबकि साजन को सातवां स्थान मिल पाया। नटराज ने फीस्टाइल स्प्रिंट में दो स्वर्ण, बैकस्ट्रोक में दो स्वर्ण के अलावा रिले टीम को दो स्वर्ण जिताये। वहीं सेना के एसपी लिखित ने 100 मीटर स्पर्धा जीतकर पुरूषों की बैकस्ट्रोक की तीनों स्पर्धाओं में जीत हासिल की है। इस प्रकार सेना के स्वर्ण पदकों की तादाद बढ़कर 44 हो गयी है। वहीं 30 स्वर्ण लेकर हरियाणा दूसरे नंबर पर है। महाराष्ट्र के 28 स्वर्ण हैं जबकि कर्नाटक के नाम कर्नाटक 23 स्वर्ण पदक हैं। तमिलनाडु पदक तालिका में पांचवें स्थान पर है। वहीं गुजरात ने पुरूषों की 'सॉफ्ट टेनिस' में मध्य प्रदेश को 2-0 से हराकर अपना 11 स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर जूडो में दिल्ली के मोहित सहरावत ने कंधे में चोट के बाद भी पुरूषों के 81 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। मोहित ने दोनों सेमीफाइनल के बाद फाइनल मुकाबला भी अपने नाम किया जबकि साइकिलिंग में कर्नाटक के नवीन जॉन ने पुरूष व्यक्तिगत टाइम ट्रायल स्पर्धा में खिताब जीता है। मणिपुर की टोंगब्राम मनोरमा देवी ने महिलाओं की 85 किमी रोड रेस में पहला स्थान हासिल किया।

F1: वर्स्टरपेन ने लगातार दूसरा फॉर्मूला वन विश्व खिताब जीता

सुजुका। रेड बुल के मैक्स वर्स्टरपेन ने अपने करियर की दूसरी फॉर्मूला वन विश्व चैंपियनशिप जीतते हुए रविवार को जापान ग्रां प्री में पहला स्थान हासिल किया। वर्स्टरपेन ने सबसे पहले फिनिश लाइन करके जापान ग्रां प्री का खिताब जीता, जबकि दूसरे स्थान पर रेस समाप्त करने वाले फरारी के चार्ल्स लेक्लर्स पांच सेकेंड की पेनल्टी के बाद तीसरे स्थान पर रहे। लेक्लर्स पर लगी पेनल्टी के कारण वर्स्टरपेन के हमवतन सर्जियो पेरेज़ को दूसरा स्थान हासिल हुआ। वर्स्टरपेन ने पूरी रेस के दौरान अपना दबदबा बनाये रखा। बारिश के कारण कुछ कारों के बीच टक्कर होने के बाद रेस को रोक दिया गया। दो घंटे के विलंब के बाद रेस पुनः शुरू हुई और वर्स्टरपेन ने चार लैप पहले ही खिताब अपनी झोली में डाल लिया। वर्स्टरपेन को इस रेस के लिये पूरे अंक दिये गये। एफआईए के नियमों के अनुसार, जब 'एक दौड़ को अनुच्छेद 57 के अनुसार निलंबित कर दिया जाता है, और 'फिर से शुरू नहीं किया जा सकता' तो प्रतियोगी के अंकों में कटौती की जाती है। रेस को फिर से शुरू किया गया था, इसलिए वर्स्टरपेन को पूर्ण अंक दिये गये। यह वर्स्टरपेन के करियर का दूसरा फॉर्मूला वन विश्व चैंपियनशिप खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2021 में भी यह खिताब जीता था।

एशियाई चैम्पियनशिप : भारोत्तोलक झिली चौथे और ज्ञानेश्वरी पांचवें स्थान पर रही

मनामा ।

भारतीय भारोत्तोलक झिली डालाबेहेरा और ज्ञानेश्वरी यादव यहां एशियाई चैम्पियनशिप की महिलाओं की 49 किग्रा स्पर्धा में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। झिली और ज्ञानेश्वरी दोनों ने शनिवार रात कुल 171 किग्रा का समान वजन उठाया था। पूर्व एशियाई चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक (45 किग्रा में) विजेता झिली ने 77 किग्रा और 94 किग्रा का भार उठाया। अगर वह अपने तीसरे क्लीन एवं जर्क प्रयास में 94 किग्रा का वजन उठा लेती तो तीसरा स्थान हासिल कर सकती थीं। विश्व जूनियर रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी ने स्नैच (76 किग्रा) और क्लीन एवं जर्क (95 किग्रा) में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसी वर्ग में मीराबाई चानू ने तोक्यो ओलंपिक में 202 किग्रा के प्रयास से रजत पदक जीता था। लेकिन इस बार उन्होंने इस महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। पिछले चरण में उन्होंने कांस्य पदक जीता था और 119 किग्रा से मौजूदा क्लीन एवं जर्क विश्व रिकॉर्ड भी उनके नाम है। चीन की जियाली वांग ने कुल 186 किग्रा से स्वर्ण पदक जीता। चीनी ताइपने की जिंग लिंग चेंग (181 किग्रा) दूसरे और तुर्कमेनिस्तान की युल्दुज जुमबायेवा (172 किग्रा) तीसरे स्थान पर रहीं। शनिवार को हर्षदा गरूड़ ने महिलाओं के 45 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था। भारत ने टूर्नामेंट में 13 सदस्यीय टीम उतारी है।

संक्षिप्त समाचार

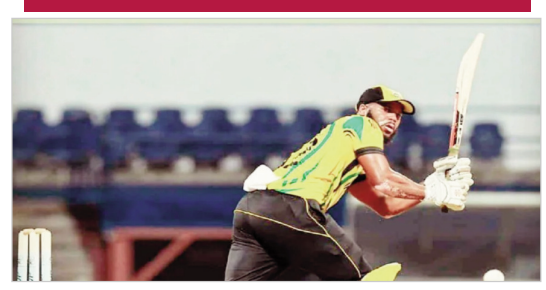

टी20 विश्वकप से पहले बल्लेबाज कैंपबेल पर लगा प्रतिबंध, वेस्टइंडीज को करारा झटका

जमैका । डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने के कारण वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जॉन कैंपबेल पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। टी20 विश्वकप से पहले आये इस फैसले से वेस्टइंडीज टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि कैंपबेल टीम के एक आक्रामक बल्लेबाज हैं। कैंपबेल पर यह पाबंदी जमैका के एंटी डोपिंग कमीशन (जेडको) ने लगायी है। तीन सदस्यीय इस स्वतंत्र पैनल ने गत शुक्रवार को सुनाये अपने फैसले में कैंपबेल पर जांच नमूने देने से इंकार करने के साथ ही अपने पक्ष में कोई साक्ष्य नहीं दे पाने के लिए भी यह प्रतिबंध लगाया है। जेडको ने कहा कि यह बल्लेबाज अपने बचाव में कोई तर्क नहीं दे पाया है। कैंपबेल पर यह प्रतिबंध 10 मई से ही लागू माना जाएगा। इसका कारण यह है कि इस बल्लेबाज को इसी दिन नियमों का उल्लंघन करने के लिए नोटिस दिया गया था। जेडको के अनुसार जॉन कैंपबेल ने नियम 2.3 का उल्लंघन किया है। इसके कारण उनपर चार साल की यह पाबंदी लगानी पड़ी है। कैंपबेल ने वेस्टइंडीज की कोर से 20 टेस्ट, 6 एकदिवसीय और 2 टी20 मैच खेले गए हैं। 20 टेस्ट मैचों में उन्होंने 3 अर्धशतक के साथ 888 रन बनाए हैं। वहीं एकदिवसीय में उन्होंने 6 मैचों में 49.60 की औसत से 248 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक भी शामिल है।

टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच को लेकर परेशान नहीं हैं रिजवान

लाहौर । पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान टी20 विश्व कप क्रिकेट में भारत के साथ होने वाले पहले मुकाबले को लेकर चिन्तित नहीं हैं। विश्व कप में इन दोनो ही टीमों के बीच पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को होगा। रिजवान के अनुसार दोनो टीमों के बीच सभी मुकाबले दबाव वाले होते हैं पर पिछले कुछ साल में हालात बदले हैं जिससे इन मैचों को लेकर पहले जैसी स्थिति नहीं रह गयी है। रिजवान ने न्यूजीलैंड के साथ जारी त्रिकोणीय सीरीज के दौरान कहा, 'भारत और पाक के बीच मैच सभी मैच दबाव और रोमांच से भरे होते हैं। इसलिए मैं इसमें चीजों को सरल बनाये रखने का प्रयास करता हूं। इस दौरान पूरी टीम दबाव में रहती है पर पिछले कुछ सालों से जिस प्रकार के बदलाव आये हैं। उसको देखते हुए 23 अक्टूबर को दोनो टीमों के बीच होने वाले मुकाबले में पहले वाली बात नहीं होगी। चीजें यह मुकाबला हमारी टीम के लिए काफी अहम रहेगा। इस मैच में हम सभी अपना सौ फीसदी देने के लिए तैयार हैं। रिजवान ने पिछले एक साल में अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। त्रिकोणीय सीरीज में भी उनका प्रदर्शन सबसे काफी अच्छा रहा है जिससे पर भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा।

'शिखर धवन की वर्ल्ड कप टीम में जगह पक्की, बनेंगे रोहित के ओपनिंग पार्टनर'

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम इस समय साउथ अफ्रीका के खिलाफ शिखर धवन की कप्तानी में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेल रही है। तो वहीं सीनियर खिलाड़ियों की टीम टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया अभ्यास करती दिख रही है। धवन को टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली है, क्योंकि बीसीसीआई ने उन्हें वनडे फॉर्मेट में फिलहाल आगे बढ़ाने का विचार रखा है। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर और चयनकर्ता सबा करीम ने बड़ी भविष्यवाणी करके हुए कहा है कि धवन की 2023 वर्ल्ड कप टीम में जगह पक्की है और वह कप्तान रोहित शर्मा के ओपनिंग पार्टनर बनेंगे। जब उनसे टीम में शिखर धवन की जगह के बारे में पूछा गया तो करीम ने कहा, ''मेरा मानना है कि चयनकर्ताओं ने फैसला किया है कि रोहित शर्मा और शिखर धवन अगले 50 ओवर के विश्व कप में सलामी बल्लेबाज होंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह साफ है कि शिखर धवन की जगह भारतीय टीम में पक्की हो चुकी है। हर टाइम उनके ऊपर प्रैशर डालने की कोई जरूरत नहीं है। हां, एक या दो मैच ऐसे होंगे, जहां वो रन नहीं बना पाए होंगे। लेकिन मुझे लगता है चयनकर्ताओं ने यह तय कर लिया है कि अगले साल 50 ओवर के विश्व कप में रोहित शर्मा और शिखर धवन टीम भारतीय टीम के ओपनर होंगे।'' टीम में ऑलराउंडर के स्थान के बारे में पूछे जाने पर, पूर्व चयनकर्ता ने हार्दिक पांड्या और शार्दुल ठाकुर के बारे में भी अपनी राय दी। उनके अनुसार, हार्दिक भारत के नंबर 1 विकल्प होंगे क्योंकि वह एक बैटिंग-ऑलराउंडर हैं जबकि शार्दुल एक बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। उन्होंने कहा, ''शार्दुल एक बहुत ही उपयोगी खिलाड़ी है। लेकिन हार्दिक पांड्या बैटिंग ऑलराउंडर हैं, जबकि शार्दुल ठाकुर बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। यह एक बड़ा अंतर है। हम निश्चित रूप से शार्दुल को तैयार कर सकते हैं। लेकिन मैं उन्हें सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारत के नंबर 2 गेंदबाज बनते नहीं देखता। वह केवल तीसरे सीमर के रूप में खेल सकते हैं। अगर वह अच्छी बल्लेबाजी कर सकता है, तो यह एक अतिरिक्त फायदा होगा।''

शेफाली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में बनाया नया रिकार्ड

ढ़ाका । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट में नया विश्व रिकार्ड बनाया है। शेफाफी ने महिला विश्वकप में मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ 55 रनों की पारी खेलने के साथ ही लय हासिल करने के साथ ही इस सबसे छोटे प्रारुप में अपने 1000 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन भी पूरे किये हैं। इस बल्लेबाज ने ये रन केवल 18 साल और 253 दिन की उम्र में बनाये हैं। इस प्रकार शेफाली सबसे कम उम्र में 1000 टी20 रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गयी हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड को बनाने के दौरान अपनी वतन साथी जेमिमा रोड्रिगेड को भी पीछे छोड़ दिया। जेमिमा ने ये रन 21 साल 32 दिन की उम्र में बनाये थे। गौरतलब है कि शेफाली पिछले कुछ समय से बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण दबाव में थी। अ मेजबान टीम के खिलाफ अहम मुकाबले में उसने तेज अर्धशतक लगाकर अच्छी वापसी की है। इस मैच के दौरान शेफाली ने बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी अपने अच्छे प्रदर्शन से सबक ध्यान खींचा है। अब तक शेफाली ने कुल 43 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 1036 रन बनाए हैं जिसमें 4 अर्धशतकीय पारी शामिल है। शेफाली ने प्रारुप में सबसे ज्यादा 73 रन बनाये हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन चोटिल हुए

वैलिंग्टन । डैरिल मिचेल के बाद अब न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी चोटिल होने के कारण आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं। इन दोनो ही खिलाड़ियों के चोटग्रस्त होने से कीवी टीम को करारा झटका लगा है। न्यूजीलैंड टीम अभी पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ ट्राई सीरीज खेल रही है। मिचेल के बाद अब फर्ग्यूसन त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हुए हैं। इस प्रकार एकसाथ ही दो बड़े खिलाड़ियों के अनफिट होने से कीवी टीम की परेशानी बढ़ गयी है। इन दोनो का ही अब विश्व कप में खेलना भी संदिग्ध। फर्ग्यूसन एबडॉमिनल इंजरी के शिकार हुए हैं। वह पिछली बार भी चोटिल होने के कारण ही टी20 विश्वकप नहीं खेल पाये थे। टीम के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि फर्ग्यूसन अभी हल्की चोट है। विश्वकप की हमारी टीम योजना में वह शामिल हैं। इसलिए उनका विशेष रुप से ध्यान रखा जा रहा है। वह चोट के कारण ही पिछले साल भी टी20 विश्व कप से बाहर थे। हम चाहते हैं कि इस साल वो अवश्य खेलें हालांकि अभी उन्हें ठीक कोने में कुछ समय लगेगा।

PKL 2022 : पटना पाइरेट्स ने पुणेरी पलटन और गुजरात जायंट्स ने तमिल थलाइवाज को बराबरी पर रोका

बेंगलुरु।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के नौवें सत्र में शनिवार को खेले गये दोनों मुकाबले बराबरी पर छूटे। शाम के पहले मुकाबले में पटना पाइरेट्स ने पुणेरी पलटन को 34-34 की बराबरी पर रोका जबकि गुजरात जायंट्स ने आखिरी पांच मिनट में शानदार खेल दिखाते हुए तमिल थलाइवाज के साथ 31-31 से मुकाबला ड्रॉ खेला। मोहित गोयत (आठ अंक) और असलम इनामदार (सात अंक) के शानदार प्रदर्शन से पुणेरी पलटन ने पहले हाफ में सात अंकों की बढ़त हासिल की, लेकिन दूसरे हाफ में रेडर सचिन (आठ अंक) के प्रयासों से पटना पाइरेट्स ने शानदार वापसी की मैच ड्रॉ कराकर तीन अंक हासिल किया। रोहित गुलिया ने पटना के लिए छह अंक जुटाये। दूसरे रोमांचक मुकाबले में गुजरात जायंट्स की टीम शुरुआती हाफ में 18-16 से आगे थी लेकिन तमिल थलाइवाज की टीम ने मैच के 35वें मिनट में चार अंक की बढ़त हासिल कर ली थी। गुजरात जायंट्स की टीम हालांकि वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म करने में सफल रही। गुजरात के रेडर राकेश ने मैच में सबसे ज्यादा 13 अंक बटोरे जबकि नरेन्द्र (10 अंक) तमिल थलाइवाज के शीर्ष स्कोरर रहे।

ऑकलैंड में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच महिला विश्वकप रग्बी में भाग लेती हुई खिलाड़ी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक्र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता है, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न-जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

उत्तरी पाकिस्तान में मकान की छत ढहने से परिवार के नौ सदस्यों की मौत

पेशावर। उत्तरी पाकिस्तान में रविवार को एक कच्चे घर की छत ढहने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी इम्तियाज खान के मुताबिक, गिलगित बाल्तिस्तान क्षेत्र के चिलास शहर में हुई इस घटना में एक रेस्तरां के वेटर की पत्नी, चार बेटे और चार बेटियों की मौत हो गई। खान ने बताया कि हादसे के समय पिता (वेटर) काम पर गये हुए थे। उन्होंने बताया कि घर के ढहने की आवाज़ सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने सभी को मलबे से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। पुलिस ने बताया कि मारे गए भाई-बहनों की उम्र दो से 12 साल के बीच थी।

इमरान खान के हेलीकॉप्टर को तकनीकी खामी के कारण रावलपिंडी में उतारना पड़ा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के बाद उसे रावलपिंडी में आपात स्थिति में उतारना पड़ा। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने ट्विटर पर शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि वह खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में डेरा इस्माइल खान कस्बे से बानीगाला जा रहे थे, उसी दौरान हेलीकॉप्टर को तकनीकी खामी के कारण रावलपिंडी के अदियाला गांव में उतारना पड़ा। बयान में कहा गया है कि बाद में खान सड़क मार्ग से इस्लामाबाद के पास स्थित अपने आवास के लिये रवाना हुए। पूर्व प्रधानमंत्री बाढ़ पीड़ितों को चेक बांटने के लिए डेरा इस्माइल खान जिला गए थे। गौरतलब है कि पिछले महीने खराब मौसम के कारण खान के विमान को उड़ान भरने के तुरंत बाद उतारा पड़ा था।

यूक्रेन के ज़ापोरिज्जिया शहर में हुए हमले में 17 लोगों की मौत: अधिकारी

कीव। यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर में बीती रात एक अपार्टमेंट पर हुए रूसी हमले में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। शहर के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। नगर परिषद के सचिव अनातोली कुर्तेव ने कहा कि बीती रात शहर पर रॉकेट हमले किए गए, जिसमें कम से कम पांच मकान नष्ट हो गए और लगभग 40 अन्य को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन की सेना ने भी हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि इनमें दर्जनों लोग हताहत हुए हैं। इससे पहले शनिवार को क्रीमिया प्रायद्वीप को रूस से जोड़ने वाले एक पुल पर विस्फोट हुआ था, जिसके कारण पुल आंशिक रूप से ढह गया था। रूस इसी पुल के रास्ते दक्षिणी यूक्रेन में युद्ध के लिए सैन्य साजो-सामान भेजता है। हाल के हफ्तों में जापोरिज्जिया को गई बार निशाना बनाया गया है। यह यूक्रेन के नियंत्रण वाले एक क्षेत्र में आता है, जिस पर रूस ने पिछले सप्ताह कब्जा कर लिया था। इस क्षेत्र का एक हिस्सा फिलहाल रूस के कब्जे में है। यहीं पर जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थित है, जिसे यूरोप का सबसे बड़ा ऊर्जा संयंत्र कहा जाता है।

पाकिस्तानी थलसेना प्रमुख जनरल बाजवा ने क्षेत्रीय शांति की अपील की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के थलसेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने शनिवार को क्षेत्रीय शांति और देशों के बीच सभी द्विपक्षीय मुद्दों के समाधान के लिए एक तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने आगाह किया कि ''दुनिया बदल गई है, इसलिए हमें भी बदलना चाहिए, क्योंकि यथास्थिति की कीमत हम सभी के लिए विनाशकारी होगी।'' जनरल बाजवा (61) नवंबर में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और काकुल स्थित प्रतिष्ठित पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी में उनका यह संभवत: अंतिम संबोधन था। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर क्षेत्रीय शांति और देशों के बीच सभी द्विपक्षीय मुद्दों के समाधान के लिए एक तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हमें अपने सभी द्विपक्षीय मुद्दों का शांतिपूर्ण हल करने के लिए एक तंत्र विकसित कर शांति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। एक दूसरे से लड़ने के बजाय हमें भूख, गरीबी, निरक्षरता, जनसंख्या विस्फोट, जलवायु परिवर्तन और रोग से संयुक्त रूप से लड़ना चाहिए।'' चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने कहा, ''दुनिया बदल गई है, इसलिए हमें भी बदलना चाहिये, क्योंकि यथास्थितिकी कीमत हम सभी के लिए विनाशकारी होगी।'' अपने संबोधन में जनरल बाजवा ने कहा, ''शांति के प्रयासों के तहत हमने सभी पड़ोसी और क्षेत्रीय देशों के साथ अच्छे पड़ोसी का संबंध बनाने के सारे प्रयास किए हैं...हम अपने राजनीतिक गतिरोध को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसने दक्षिण एशिया के देशों को आगे बढ़ने से और सभी क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय मुद्दों को शांतिपूर्ण और गरिमामय तरीके से हल करने की दिशा में बढ़ने से रोका है।'' उन्होंने कहा कि शेष विश्व की तरह दक्षिण एशिया के देश समृद्धि और जीवन जीने की बेहतर परिस्थितियों के हकदार हैं, जो केवल सतत आर्थिक वृद्धि, विकास और टिकाऊ शांति से ही संभव है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, हमें क्षेत्र से युद्ध की लपटों को दूर करने के लिये प्रयास करना चाहिए।'' उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध कश्मीर मुद्दा और सीमा पार से होने वाले आतंकवाद को लेकर तनावपूर्ण बने हुए हैं।

इस साल अमेरिका ने भारत के लिए चार यात्रा परामर्श जारी किए

- भारत जाने की योजना बना रहे अमेरिकी नागरिकों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई

वाशिंगटन । इस साल अमेरिका भारत के लिए चार यात्रा परामर्श जारी कर चुका है। 28 मार्च से अमेरिका ने दूसरे चरण का परामर्श जारी किया हुआ है, जिसके तहत भारत जाने की योजना बना रहे अमेरिकी नागरिकों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। अमेरिका के विदेश विभाग ने कई साल पहले यात्रा परामर्श पेश किए थे, जो चार रंगों के कोड में विभाजित हैं। पहला सफेद, जिसका मतलब है यात्रा के लिए सबसे सुरक्षित स्थान और चौथा लाल, जिसका मतलब है अमेरिकी नागरिकों को वहां न जाने की सलाह दी जाती है। दूसरे (पीले) चरण के तहत अमेरिकी नागरिकों को यात्रा के वक्त अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। अमेरिका ने 28 मार्च से अपने नागरिकों को भारत की यात्रा के लिए दूसरे चरण का परामर्श जारी किया हुआ है। उसने 24 जनवरी को यात्रा परामर्श तीसरे चरण से कम करके दूसरे चरण का कर दिया था। तीसरे चरण के तहत अमेरिका अपने नागरिकों को उस देश की यात्रा करने से पहले पुनर्विचार करने की सलाह देता है। भारत के लिए ज्यादातर दूसरे चरण का और कभी-कभी तीसरे चरण का यात्रा परामर्श जारी किया जाता है। अप्रैल 2021 में कोविड-19 संकट के दौरान चौथे चरण का यात्रा परामर्श जारी किया गया था। इस साल पिछले तीन यात्रा परामर्श 28 मार्च, 25 जुलाई और पांच अक्टूबर को जारी किए गए और सभी की प्रकृति समान थी कि भारत में कोरोना वायरस की स्थिति अब सामान्य हो गई है। अमेरिका द्वारा जारी किए गए यात्रा परामर्श कई बातों पर निर्भर करते हैं। इनमें सबसे प्रमुख संबंधित देश की स्थिति, जन स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, आतंकवाद, उस देश के साथ संबंध और यात्रा का मौसम होता है। भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान और म्यांमा के लिए अमेरिका ने चौथे चरण का, जबकि पाकिस्तान और चीन के लिए तीसरे चरण का परामर्श जारी कर रखा है। बांग्लादेश, नेपाल, मालदीव और श्रीलंका के लिए अमेरिका ने दूसरे चरण का, जबकि भूटान के लिए पहले चरण का परामर्श जारी किया है।

ब्रिटेन में व्यापार मंत्री को किया बर्खास्त

लंदन । ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपने व्यापार मंत्री कोनोर बर्न्स के खिलाफ गंभीर कदाचार की शिकायत मिलने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। शिकायत की जांच की जा रही है। इसका मतलब है कि बर्न्स अब जांच पूरी होने तक संसद के एक स्वतंत्र सदस्य रहेंगे। एक प्रवक्ता ने कहा कि गंभीर कदाचार की शिकायत मिलने के बाद प्रधानमंत्री ने कोनोर बर्न्सको तत्काल प्रभाव से मंत्री पद छोड़ने के लिए कहा है। उन्होंने कहा ?कि इस आरोप के बारे में सूचना मिलते ही प्रधानमंत्री ने सीधी कार्रवाई की और स्पष्ट है कि सभी मंत्रियों को व्यवहार के उच्च मानकों को बनाए रखना चाहिए, जैसा कि जनता उनसे उम्मीद करती है। बर्न्स ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे। टिवटर पर एक बयान में उन्होंने कहा कि उन्हें शिकायत के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया है या इस बारे में कोई जानकारी प्रदान करने के लिए नहीं कहा गया है। बर्न्स 2010 से सांसद हैं और पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सरकार में कई मंत्री पदों पर रहे हैं। टोरी व्हिप कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमने इस सप्ताह की शुरुआत में अनुचित कदाचार के आरोपों की जांच लंबित रहने तक व्हिप को निलंबित कर दिया है। हम इस तरह के सभी आरोपों को बेहद गंभीरता से लेते हैं।

लंदन में विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे के समर्थन में मानव श्रृंखला बनाकर विरोध जताते हुए लोग।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया के अभ्यास के बाद उत्तर कोरिया ने समुद्र में मिसाइल दागा

सोल। दक्षिण कोरिया की सेना का कहना है कि उत्तर कोरिया ने रविवार को पूर्व समुद्री क्षेत्र में एक बैलिस्टिक मिसाइल दागा है। उत्तर कोरिया के हथियारों के जखीरे में यह सबसे नया हथियार है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि मिसाइल रविवार तड़के दागी गई है, हालांकि उन्होंने इस संबंध में और कोई जानकारी नहीं दी, यहां तक कि मिसाइल की मारक क्षमता के बारे में भी कुछ नहीं कहा। जापान की सरकार ने भी कहा कि उत्तर कोरिया ने मिसाइल दागा है, जो संभवत: बैलिस्टिक मिसाइल है।

यूएनएचआरसी में मतदान से भारत के अनुपस्थित रहने पर चीन की खामोशी बरकरार

न्यूयार्क। (एजेंसी)।

चीन ने शिंजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में हुए मतदान में भारत के अनुपस्थित रहने पर शनिवार को भी अपनी खामोशी बरकरार रखी। हालांकि, चीन ने शिंजियांग में उइगर मुस्लिमों के खिलाफ अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि यह आतंकवाद और अलगाववाद को रोकने के प्रति लक्षित है। जिनेवा में, यूएनएचआरसी में बृहस्पतिवार को शिंजियांग मुद्दे पर मतदान से भारत के अनुपस्थित रहने के बाद चीन की यह टिप्पणी आई है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को भारत ने इस स्वायत्त क्षेत्र के लोगों के अधिकारों का सम्मान करने और गारंटी प्रदान करने की पहली बार अपील की थी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, ''मैंने संबद्ध खबरें देखी हैं और जोर देते हुए यह कहना चाहती हूं कि शिंजियांग से जुड़े मुद्दे मानवाधिकारों से नहीं, बल्कि आतंकवाद का मुकाबला करने से संबद्ध हैं।'' उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष अरिंदम बागची की टिप्पणियों के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में यह कहा।

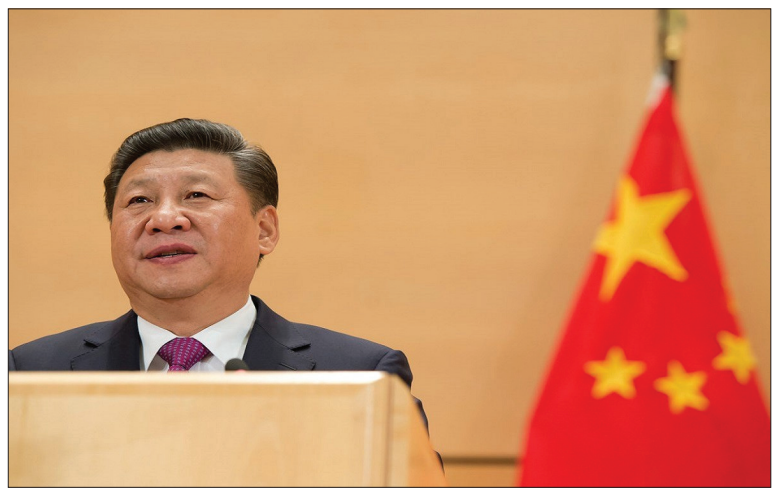

माओ ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''प्रबल कोशिशों के कारण लगातार पांच वर्षों से शिंजियांग में हिंसक आतंकी घटनाएं नहीं हुईं।'' हालांकि, यूएनएचआरसी में मतदान से भारत के अनुपस्थित रहने पर उनकी प्रतिक्रिया मांगे जाने पर वह खामोश रहीं। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष मानवाधिकार संस्था में एक प्रस्ताव लाकर शिंजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग की गई थी। माओ ने दावा किया कि मतदान से यह प्रदर्शित हुआ कि सच्चाई की सदा जीत होगी।

बागची ने शुक्रवार को कहा, ''शिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में लोगों के मानवाधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए और उसकी रक्षा की जानी चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि संबद्ध पक्ष स्थिति को वस्तुनिष्ठता के साथ उपयुक्त रूप से हल करेगा।'' उनकी टिप्पणी पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा विवाद के बीच आई है।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने भारतीय कंपनियों के सीईओ से निवेश का किया अनुरोध

कोलंबो। (एजेंसी)।

गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धना ने कई भारतीय कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ मुलाकात में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने और नए क्षेत्रों में निवेश करने की जरूरत पर बल दिया है। श्रीलंकाई प्रधानमंत्री के कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि गुणवर्धना ने गत बृहस्पतिवार को भारतीय सीईओ फोरम के श्रीलंका खंड के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात के दौरान उन्हें निवेश और व्यापार बढ़ाने के लिए कहा।

इस मुलाकात में गुणवर्धना ने श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों के सहयोग एवं समर्थन के लिए आभार जताते हुए कहा कि ये कंपनियां नकदी की किल्लत से जूझ रहे इस देश में नया निवेश लाकर, रोजगार पैदा कर और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के रूप में योगदान देकर मदद कर रही हैं। आईसीएफ के इस प्रतिनिधिमंडल में वाहन, बैंकिंग, सीमेंट, एफएमसीजी, ईंधन, आतिथ्य, अवसंरचना, लॉजिस्टिक, पैकेजिंग, पेंट एवं फार्मा क्षेत्र की कंपनियों के अधिकारी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई टी एस प्रकाश ने की। प्रकाश ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री के नए क्षेत्रों में निवेश के अनुरोध पर कहा कि आईसीएफ ने व्यापार एवं निवेश के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा देने के लिए 'शाइन श्रीलंका' मंच की शुरुआत के साथ एक नई पहल की है। उन्होंने कहा कि इस मंच के जरिये श्रीलंका में व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा मिलने की व्यापक संभावनाएं हैं। इस मुलाकात के दौरान गुणवर्धना ने अपनी सरकार की तरफ से श्रीलंका की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। श्रीलंका साल की शुरुआत से ही गहरे आर्थिक एवं वित्तीय संकट का सामना कर रहा है और उसे जरूरी चीजों की खरीद के लिए भी भारत जैसे सहयोगी देश की मदद लेनी पड़ी है।

पाकिस्तान की अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में गृहमंत्री के विरूद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के एक मामले में बार-बार तलब किये जाने के बाद भी पेश नहीं होने पर गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह के विरूद्ध शनिवार को गैर जमानती वारंट जारी किया। रावलपिंडी में वरिष्ठ दीवानी न्यायाधीश गुलाम अकबर की अदालत ने यह आदेश जारी किया, क्योंकि अदालत ने महसूस किया कि मामले की जांच के लिए उनकी गिरफ्तारी जरूरी है। इस मामले का संबंध पंजाब के चकवाल जिले के कल्लर कहार इलाके में उन्हें दो संपत्तियां रिश्वत के रूप में दिये जाने से है। आदेश में कहा गया है कि सनाउल्लाह प्राथमिकी में नामजद किये गये हैं और इस मामले में उनकी गिरफ्तारी '' जरूरी है, इसलिए आरोपी के विरूद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया जाए।' उसमें कहा गया है, 'रिकार्ड से पता चलता है कि जांच अधिकारी की दलीलें वास्तविक हैं, इसलिए न्याय के हित में उसे स्वीकार किया जाता है और आरोपी राणा सनाउल्लाह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाता है।'' 'डॉन' अखबार के अनुसार पंजाब के भ्रष्टाचार निरोधक प्रतिष्ठान ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की है। विभाग के प्रवक्ता ने कहा, ''वारंट इसलिये जारी किये गए हैं, क्योंकि सनाउल्लाह बार-बार समन जारी किए जाने के बावजूद भ्रष्टाचार निरोधी जांच में शामिल होने में विफल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मंत्री को गिरफ्तार करने और जांच के लिये प्रस्तुत करने के वास्ते आदेश जारी किए गए हैं। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मंत्री पर कल्लर कहार में बिस्मिल्लाह हाउसिंग स्कीम में अधिसूचित दर से कम दाम पर दो फार्महाउस खरीदने का आरोप है। ये भूखंड उनकी पत्नी को बतौर रिश्वत दिये गये।

अपनी ही गलतियों की वजह से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझते चले गए रूसी राष्ट्रपति पुतिन

मास्को (एजेंसी)।

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुए आठ माह पूरे होने को हैं। अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू मोर्चे पर भारी विरोध के बाद भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस लड़ाई को सही ठहरा रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने यूक्रेन के 4 इलाकों को औपचारिक रूप से रूस में शामिल करने की घोषणा कर दी है, लेकिन इसे पुतिन की 'जीत' के रूप में नहीं देखा जा रहा है।

सच यह है कि यूक्रेन में रूसी सेना भारी हताशा का सामना कर रही है। इस जंग में रूसी जनता भी अपने राष्ट्रपति के साथ नहीं है, जिसकी पुष्टि देश छोड़कर आग रहे नागरिक कर रहे हैं। यूक्रेन में पुतिन ने कई बड़ी गलतियां कीं हैं, जिसकी वजह से वह यूक्रेन के साथ जंग में उलझ गए हैं। पुतिन की पहली गलती तो यह थी कि उन्होंने अपनी 'पसंद' के एक लंबे युद्ध के लिए अपनी सेना की तत्परता को आंकने में गलती की। रूस अब एक महंगे और कुछ हद तक 'अपमानजनक' लड़ाई में फंस गया है, जिसमें उसका दुश्मन भले सैन्य रूप से कमजोर दिखाई देता हो, लेकिन उसके इरादे बेहद मजबूत हैं।

एक ओर यूक्रेनी अपनी मर्जी से अपने देश के लिए लड़ने और बलिदान के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर रूसी सैनिक अपनी इकाइयों को छोड़कर भाग रहे हैं। पुतिन के आंशिक सैनिकों की लामबंदी के आदेश के बाद भी बड़े पैमाने पर रूसी देश छोड़कर भाग रहे हैं। यूक्रेन की ताकत को लेकर गलतफहमी रूसी राष्ट्रपति की दूसरी सबसे बड़ी गलती थी। रूस को उम्मीद थी कि कीव युद्ध शुरू होने के कुछ ही दिनों में घुटने टेक देगा। उन्होंने यूक्रेन के कब्जे के प्रतिरोध और स्वतंत्रता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को कम करके आंका। पुतिन का तीसरा सबसे गलत अनुमान नाटो को लेकर था। उन्हें लग रहा था कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण ने नाटो को कमजोर कर दिया है। लिहाजा पूर्व की घटनाओं पर उसकी प्रतिक्रिया सुस्त होगी। उनका मानना था कि रूसी तेल और गैस पर यूरोप की निर्भरता यूक्रेन पर मॉस्को के साथ संबंधों को तोड़ना मुश्किल कर देगी, लेकिन यह पूर्वानुमान पूरी तरह से गलत साबित हुआ। इसके साथ ही पुतिन अमेरिका की ताकत का अंदाजा लगाने में भी गलत साबित हुए। वह समझ रहे थे कि अफगानिस्तान और इराक में फेल होने के चलते अमेरिका कमजोर स्थिति में है और चीन की बढ़ती ताकत के अलावा तमाम आर्थिक और घरेलू चुनौतियों का सामना कर रहा है। एक बार फिर पुतिन गलत साबित हुए। यूक्रेन युद्ध को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मॉस्को के खिलाफ पूरे पश्चिम को एकजुट करने और रूसी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के एक अवसर के रूप में इस्तेमाल किया।

जयशंकर ने वेलिंगटन में नये भारतीय उच्चायोग चांसरी का उद्घाटन किया, प्रवासी भारतीयों से की बातचीत

वेलिंगटन। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को वेलिंगटन में नये भारतीय उच्चायोग चांसरी का उद्घाटन किया और कहा कि एक-दूसरे की क्षमताओं का समन्वय करना भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहम संबंधों को और प्रगाढ़ करने का अधिक विवेकपूर्ण तरीका है। विदेश मंत्री के तौर पर न्यूजीलैंड की पहली यात्रा पर आए जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों को नये सिरे से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। जयशंकर ने रविवार को ट्वीट किया, ''वेलिंगटन में आज नये भारतीय उच्चायोग चांसरी का उद्घाटन किया।

बेहद कम समय में मंत्री-स्तरीय तीन यात्राएं भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को प्रगाढ़ करने की हमारी साझा इच्छा दर्शाती है।'' उन्होंने कहा, ''भारत और न्यूजीलैंड के बीच संबंध हमारे प्रधानमंत्रियों नरेंद्र मोदी और जेसिंडा अर्डर्न की दूरदर्शिता तथा प्रतिबद्धता से मजबूत होते हैं।'' भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कारोबार, डिजिटल और कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया। जयशंकर ने कहा, ''हमारे संबंधों को प्रगाढ़ करने का अधिक विवेकपूर्ण तरीका वास्तव में एक-दूसरे की क्षमताओं का समन्वय है। हमें अधिक कारोबार करने के रास्ते तलाशने चाहिए, क्योंकि आखिरकार कारोबार किसी भी रिश्ते के लिए अच्छा है। एक बार यदि किसी कारोबारी संबंध के लिए मजबूत नींव पड़ जाती है तो वह रिश्ता वाकई मजबूत और स्थिर रहता है।''

उन्होंने ट्वीट किया, ''कारोबार, डिजिटल, कृषि, शिक्षा, कौशल, पारंपरिक औषधि तथा समुद्री सुरक्षा क्षेत्रों में कारोबार की असीम संभावनाएं हैं। मजबूत सहयोग से हमारे साझा क्षेत्र में शांति, समृद्धि और प्रगति सुनिश्चित होगी।'' विदेश मंत्री ने नए चांसरी के उद्घाटन के दौरान वहां एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''हाल के वर्षों में हमारे प्रधानमंत्रियों नरेंद्र मोदी और जेसिंडा अर्डर्न ने कार्यक्रमों के इतर समय-समय पर मुलाकात करते हुए एक रिश्ता बनाया है...जब उच्च स्तर पर नेताओं की मुलाकात होती है तो उससे काफी फर्क पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध को नए सिरे से मजबूत करने की आवश्यकता है। कई चुनौतियों, कई संभावनाएं हैं जो भारत और न्यूजीलैंड जैसे देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' जयशंकर ने कहा, ''मुझे यह संदेश देकर काफी खुशी हुई कि भारत कारोबार के लिए तैयार है और ऐसे कई क्षेत्र हैं जिसमें आपको अनुभव, क्षमताएं और आपके पास उत्कृष्ट प्रणालियां हैं, जिससे बड़ा फर्क पड़ता है।''

सार समाचार

अलीगढ़ में भारी बारिश के कारण 12वीं तक के सभी स्कूल 12 अक्टूबर तक बंद

अलीगढ़ (उप्र)। अलीगढ़ में पिछले 24 घंटों से हो रही भारी बारिश के कारण जिले के 12वीं कक्षा तक के सभी स?कूल 12 अक्टूबर तक के लिए बंद कर दिये गये हैं। रविवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार जिलाधिकारी इंद्रवीर सिंह ने 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों को 12 अक्टूबर तक बंद करा दिया। इसमें एएमयू से संबद्ध सभी स्कूल शामिल हैं।

हरियाणा में कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर को बिना जमानत के एक साल के लिए हिरासत में लिया गया

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने एक कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर को एक कानून के तहत हिरासत में लेने का आदेश प्राप्त किया है, जिसके तहत आरोपी को बिना जमानत के एक साल के लिए एहतियातन हिरासत में रखा जा सकता है। पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, स्वापक औषधि और मन- प्रभावी पदार्थ (पीआईटीएनडीपीएस) अधिनियम के तहत 2008 के बाद से ये पहला मामला है, जब एक मादक पदार्थ तस्कर के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। बयान के मुताबिक, सोनीपत के पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग द्वारा दिल्ली में एक सक्षम प्राधिकारी के समक्ष एक 'डोजियर' पेश किया गया, जिसने पीआईटीएनडीपीएस अधिनियम के तहत रोहना गांव निवासी आरोपी राकेश को जिला जेल में एक वर्ष के लिए हिरासत में रखने का आदेश पारित किया। गर्ग ने कहा कि राकेश को ओडिशा से कथित तौर पर 137 किलोग्राम से अधिक गांजा की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ दिल्ली और पंजाब में भी मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई थीं।

कर्नाटक सरकार अजा और अजजा समुदायों को गरिमामय जीवन प्रदान करने के लिए कटिबद्ध : बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार अनुसूचित जाति और जनजाति समुदायों को गरिमामय जीवन प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। 'वाल्मीकि जयंती ' पर महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धांजलि देने के बाद बोम्मई ने संवाददाताओं से कहा कि जब तत्कालीन मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने इस संबंध में निर्णय लिया, तब से राज्य सरकार यह जयंती मना रही है। बोम्मई ने कहा, ''राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति जैसे दमित वर्गों को गरिमा, समानता, आत्मनिर्भरता एवं आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का मौका देने के लिए कटिबद्ध है।

गुजरात में कांग्रेस विधायक पर भाजपा पदाधिकारी ने हमला किया, प्राथमिकी दर्ज

नवसारी (गुजरात)। कांग्रेस विधायक और आदिवासी नेता अनंत पटेल नवसारी जिले में कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय पदाधिकारी और उसके समर्थकों द्वारा किए गए हमले में जख्मी हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि घटना शनिवार शाम हुई और इस संबंध में रविवार तड़के खेरगाम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। प्राथमिकी में पटेल ने आरोप लगाया है कि गरबा कार्यक्रम में उनके समर्थन में एक गाना गाए जाने से भाजपा के स्थानीय नेता और जिला पंचायत प्रमुख बाबू अहीर नाराज़ हो गए जिसके बाद उन्होंने और उनके समर्थकों ने उनपर (पटेल पर) हमला कर दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने पटेल पर हमले की निंदा की और दावा किया कि यह फ्रभाजपा सरकार के गुस्से का'' नतीजा है। पटेल गुजरात में केंद्र की पार-तापी-नर्मदा संपर्क परियोजना के खिलाफ आंदोलन की अगुवाई करते रहे हैं। हालांकि, भाजपा ने हमले को लेकर सवाल उठाए हैं और कहा कि इस बात की जांच करने की जरूरत है कि कहीं यह सहानुभूति हासिल करने के लिए किया गया फ्रस्टंट तो नहीं है? गुजरात में इस साल दिसंबर में विधानसभा चुनाव होना है। प्राथमिकी के अनुसार, नवसारी के वांसदा से विधायक पटेल पर करीब 50 लोगों के समूह ने खेरगाम में शनिवार शाम तब हमला किया और उनकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया जब वह एक बैठक के लिए जा रहे थे। अहीर के अलावा, प्राथमिकी में पांच अन्य नामज़द हैं और 40-45 लोगों के एक समूह का भी जिक्र है, जो कथित रूप से हमले के पीछे था।

सेक्सटॉर्शन गिरोह के दो लोग मेवात से गिरफ्तार, लोगों को ब्लैकमेल कर करते थे लाखों की वसूली

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हाल ही सेक्सटॉर्शन गिरोह के दो लोगों को राजस्थान के मेवात क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। गिरोह दिल्ली-एनसीआर समेत पड़ोसी राज्यों के 200 से अधिक लोगों को ब्लैकमेल कर उनसे लाखों रुपए वसूल चुका है। गिरोह के सदस्य विभिन्न सोशल एप पर सुंदर लड़कियों की तस्वीरों के साथ फर्जी प्रोफाइल तैयार कर सोशल प्लेटफॉर्म पर लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते हैं। फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने व दोस्त बनने के बाद वे उनसे वाट्सएप नंबर साझा करते हैं और अश्लील चैटिंग (सेक्सटिंग) शुरू कर देते हैं। उसके बाद गिरोह के सदस्य वीडियो कॉल की पेशकश करते हैं। वीडियो कॉल करने पर लड़कियां कपड़े उतारती दिखती हैं और पीड़ितों को भी कपड़े उतारने के लिए आमंत्रित करती हैं। इस तरह हनी ट्रैप में फंसाने के बाद गिरोह के सदस्य लोगों की नग्न तस्वीरें स्क्रीन रिकॉर्डिंग एप के जरिए रिकॉर्ड कर लेते हैं। एक बार नग्न तस्वीरें रिकार्ड करने के बाद गिरोह के सदस्य ब्लैकमेल कर पैसे की मांग शुरू कर देते हैं। पिछले कुछ समय में साइबर फ्रॉड के कुछ खास मामले सामने आए हैं जिनमें लोग इस तरह सेक्सटॉर्शन का शिकार हुए। 2019 में देश में लगभग 1800 मामले साइबर फिरौती के सामने आए थे। इसमें सेक्सटॉर्शन के मामले भी शामिल थे। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक साइबर फिरौती के मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए थे। हाल ही ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन के एक अध्ययन में पाया गया कि सेक्सटॉर्शन के शिकार लोगों में ज्यादातर कम उम्र के लोग होते हैं। वहीं इस तरह के अपराध को अंजाम देने देने वाले क्रिमिनल्स में ज्यादातर पुरुष ही होते हैं। बदनामी के डर से अधिकतर मामलों में पीड़ित चुप रह जाते हैं।

यूपी, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात, मप्र सहित कई राज्यों में हल्की या मध्यम वर्षा की संभावना

नई दिल्ली । मानसून की औपचारिक विदाई के बाद भी अक्टूबर में कई राज्यों में वर्षा का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक 9 और 10 अक्टूबर को यूपी, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है। आईएमडी ने रविवार को यूपी, उत्तराखंड और तमिलनाडु में भारी बारिश को देखते हुए आरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित 23 राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर में रविवार और सोमवार को दिनभर बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। महाराष्ट्र में अगले 3-4 दिनों तक अगल-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक 9 अक्टूबर 2022 को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान के कुछ हिस्से, गुजरात के कुछ हिस्से, महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, पुडुचेरी, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल व पुर्वोत्तर भारत के सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में तेज हवा व गरज-चमक के साथ कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर भारी बारिश के आसार है। मौसम विभाग ने इन 26 राज्यों में आरेंज व येलो अलर्ट जारी किया है।

मैनपुरी में रेप विक्टिम गर्भवती लड़की को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

मैनपुरी । यूपी के मैनपुरी में एक गर्भवती लड़की को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का मामला सामने आया है। लड़की की हालत गंभीर है। पहले उसे जिला अस्पताल फिर सैफई के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पीड़ित लड़की के साथ रेप हुआ था। इस मामले में गांव में पंचायत भी बैठी थी। घटना वाले दिन आरोपी की मां शादी के बहाने लड़की को अपने साथ लेकर गई थी। घटना थाना कुरावली इलाके की है। बीती 6 अक्टूबर को आरोपी की मां गांव में ही रहने वाली पीड़िता के घर पहुंची और अपने आरोपी बेटे से शादी कराने के बहाने लड़की को अपने साथ घर ले गई। उसी रात आरोपी और उसके घर वालों ने लड़की को जिंदा जला दिया। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी अभिषेक समेत 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

'बालिका वधु' बनने से बची हजारों बच्चियों को याद है '10 अक्टूबर'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कुछ तारीखें हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन जाती हैं। हम जीते जी तो इन्हें नहीं भूल सकते। 10 अक्टूबर भी एक ऐसी ही तारीख है, जिसे मैं क्या हजारों बच्चियां भी ताउम्र नहीं भूल सकती हैं। दरअसल, ये वो बच्चियां हैं जो 'बालिका वधु' वधु बनने से बच गईं और ये सब मुमकिन हुआ कैलाश सत?यार्थी जी के कारण। साल 2014 में इसी दिन कैलाश सत?यार्थी जी को नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई थी। इसे दुनिया का सर्वोच्च सम्मान कहा जाता है। अब मैं ठहरी राजस्थान के अलवर जिले के एक गांव से आने वाली। भला मेरा एक नोबेल विजेता से क्या संबंध हो सकता है? यही सोच रहे हैं न आप ! संबंध है और वह भी बहुत गहरा।

दरअसल, मेरी कहानी शुरू होती है साल 2012 से। उस समय मेरी उम्र केवल 11 साल थी। एक गांव की बच्ची, जिसे शहर की बच्चियों की तरह 'गुड टच और बैड टच' का भी पता नहीं होता। सब कुछ ठीक चल रहा था जैसे गांव की जिंदगी होती है। जिंदगी में तूफान तो अचानक आते हैं तो मेरी जिंदगी में भी तूफान आ गया। इस तूफान का नाम था 'बाल विवाह'। मेरे घरवालों ने मेरा और मेरी बड़ी बहन का बाल विवाह करने का फैसला कर लिया। मेरी स्थिति वैसी ही थी जैसे किसी किसान की पकी फसल बरसात में बर्बाद हो जाए। कुछ समझ में नहीं आ रहा था।

मुझे अच्छे से याद है कि मेरी दादी ने ताना मारते हुए कहा था, 'लड़की हो पढ़-लिखकर क्या करोगी, आखिर में चूल्हा-चौका ही तो संभालना है।' इस पर मैंने जवाब दिया, 'मैं 11 साल की उम्र में शादी नहीं करना चाहती, मेरा सपना सिविल सर्विस में जाने का है।' हालांकि घर में सबसे छोटी होने के कारण मैं घरवालों से अपना बाल विवाह रोकने की बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी।

इसी उधेड़बुन के बीच मैं अपनी 'बाल पंचायत' की उन साथियों से मिली, जो खुद भी इसी तरह की परेशानी से गुजर रही थीं। हर 'बाल मित्र ग्राम' में एक 'बाल पंचायत' होती है। 'बाल मित्र ग्राम' कैलाश सत्याथी जी का एक अभिनव प्रयोग है। इसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि गांव में किसी भी बच्चे का बाल विवाह न हो, कोई भी बच्चा बालश्रम या बाल दासता न करे, हर बच्चा स्कूल जाए और किसी भी बच्चे का शोषण न हो। साथियों से चर्चा के बाद मैंने तय किया कि मैं अपना बाल विवाह नहीं होने दूंगी।

हालांकि यह आसान फैसला नहीं था, क्योंकि मुझे अपने ही परिजनों से लड़ना था। कई दिन तक मैंने अपने पिता से बात नहीं की और खाना खाना भी छोड़ दिया। मेरी दादी के ताने लगातार जारी थे, जो मुझे तीर की तरह चुभते थे लेकिन मैं अपने फैसले पर अडिग थी। जहां चाह, वहां राह की तर्ज पर मुझे भी कुछ कामयाबी मिली। मैं अपने माता-पिता की विराट नगर स्थित बाल आश्रम ट्रस्ट की बाल मित्र ग्राम की टीम के साथ कई बैठकें करवाने में सफल रही और आखिरकार मेरे माता-पिता मेरा बाल विवाह न करने पर राजी हो गए।

इन सबके बाद मेरी जिंदगी ने नया मोड़ तब लिया, जब मैं साल 2012 में पहली बार बाल आश्रम ट्रस्ट में कैलाश सत्यार्थी जी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमेधा कैलाश जी से मिली। कैलाश जी के विचारों को सुनते हुए पहली बार लगा कि बच्चे भी अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकते हैं, समाज में परिवर्तन ला सकते हैं। बाल विवाह के नुकसानों के बारे में कैलाश जी ने जिस तरह से समझाया, उसने मेरे इरादों को और पक्का कर दिया। इसके बाद मैंने फैसला किया कि बाल विवाह की यह लड़ाई, मुझे दूसरी बच्चियों के लिए भी लड़नी है।

'त्रिशूल', 'मशाल' या 'उगता सूरज', उद्धव गुट ने चुनाव आयोग को इन चिन्हों को बताया अपनी पंसद

मुंबई। (एजेंसी)।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना धड़े ने निर्वाचन आयोग को अपने चुनाव चिह्न के लिए त्रिशूल, उगता सूरज या मशाल के रूप में तीन विकल्प सुझाए हैं। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग ने अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे नीत दोनों गुटों के पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न का उपयोग करने पर शनिवार को पाबंदी लगा दी थी।

पार्टी के दोनों गुटों द्वारा नाम और चुनाव चिह्न पर दावा किए जाने की पृष्ठभूमि में एक अंतरिम आदेश जारी कर निर्वाचन आयोग ने दोनों से कहा था कि वे सोमवार तक अपनी-अपनी पार्टी के लिए तीन-तीन नए नाम और चुनाव चिह्न सुझाएं। आयोग दोनों गुटों द्वारा सुझाए गए नामों और चुनाव चिह्नों में से उन्हें किसी एक का उपयोग करने की अनुमति देगा। ठाकरे खेमे के एक सूत्र ने कहा, ''शिवसेना ने निर्वाचन आयोग को अपने चुनाव चिह्न के लिए त्रिशूल, उगता सूरज या मशाल के रूप में तीन विकल्प सुझाए हैं।'' अधिक विवरण साझा किए बिना सूत्र ने बताया कि ठाकरे खेमे ने चुनाव में अपने आधिकारिक नाम के लिए भी कुछ विकल्प सुझाए हैं।

भाजपा के शासन में असम व पूर्वोत्तर के अन्य राज्य विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़े : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 8 साल के शासन के दौरान असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्य शांति व विकास के मार्ग पर आगे बढ़े हैं। शाह ने असम की राजधानी गुवाहाटी में पार्टी के नवनिर्मित राज्य कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद दावा किया कि आजादी के बाद से 1970 के कांग्रेस शासन ने पूर्वोत्तर क्षेत्र को हिंसा और अराजकता की ओर धकेल दिया था, जबकि पिछले 8 सालों के दौरान मोदी के नेतृत्व ने इस क्षेत्र को मुख्यधारा से जोड़ने में मदद की है। उन्होंने कहा कांग्रेस शासन के दौरान न शांति थी, न विकास हुआ और न इन राज्यों ने विकास किया और यहां तक कि क्षेत्र की संस्कृति को भी नुकसान हुआ था। सन 2014 से 2022 के बीच यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अमित शाह ने कहा मोदी जी एक बड़े बरगद के पेड़ की तरह हैं, जिनकी छाया में यह क्षेत्र उनके द्वारा निर्धारित विकास लक्ष्यों

को पूरा करने की राह पर है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ असम आंदोलन के दौरान वह एक छात्र कार्यकर्ता के रूप में कई बार यहां आए थे, और कई बारकांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया के निर्देशों के तहत उन्हें बुरी तरह पीटा गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 9,000 उग्रवादियों से हथियार डलवाकर असम में शांति स्थापित की है। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बजट को तिगुना कर दिया है, जिससे सभी क्षेत्रों में ढांचागत विकास हुआ है। शाह ने कहा 2006-14 के दौरान राज्य में उग्रवादियों की संख्या 8,700 थी, जबकि हिंसा में 500 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। हालांकि, 2014 से 2022 के बीच उग्रवादियों की संख्या घटकर 250 रह गई और हिंसा के कारण 127 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई है। उन्होंने कहा, राहुल बाबा (कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र करते हुए) सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (आफ्स्पा) को पूरी तरह से हटाने की बात करते हैं, जो केवल बयानबाजी है, लेकिन भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र में एक ऐसा माहौल बना दिया है जिसके कारण अधिनियम को इस क्षेत्र के 60 प्रतिशत से निरस्त कर दिया गया, जहां यह पहले लागू था। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं और वह दिन दूर नहीं जब इस कानून को पूरे क्षेत्र से हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए कई परियोजनाएं हैं और सबसे महत्वपूर्ण राज्य में एक फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना है। गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा राज्य में एक लाख युवाओं को रोजगार देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। शाह ने पार्टी के नए कार्यालय का जिक्र करते हुए कहा, ÷भाजपा कार्यालय केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं हैं, बल्कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण, भावना, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत को दर्शाती है।

बिहार के साथ सौतेला व्यवहार करना बंद करे केंद्र : राजीव रंजन

पटना। जदयू के राष्ट्रीय सचिव राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि मोदी सरकार के इशारे पर बैंक बिहार के औद्योगिक विकास में अड़ंगे डाल रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के प्रशासनिक निर्णयों एवं निवेश के अनुकूल वातावरण बनाने की योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। राज्य में अपने उद्योग लगाने के लिए कई प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने आगे आए हैं। इस दिशा में कई महत्वाकांक्षी प्रस्ताव भी राज्य सरकार को निरंतर मिल रहे हैं।लेकिन बैंकों की उदासीनता समझ से परे है। राज्य का क्रेडिट डिपॉज़िट रेसीयो पिछले 17वर्षों में बढ़कर लगभग दुगुना अर्थात 52.83 प्रतिशत तक पहुँचा है ,लेकिन अभी भी राष्ट्रीय औसत 75प्रतिशत से बहुत पीछे है।वहीं कई राज्यों में यह अनुपात 100 फ़ीसदी से भी ज़्यादा है ।स्पष्ट है कि राष्ट्रीयकृत बैंक बिहार के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि औद्योगिक विस्तार के लिए राज्य सरकार ने बैंकों के समक्ष 2022-2023 में निवेश के लिए 2.4लाख करोड़ का लक्ष्य रखा है,जिसमें अभी उन्होंने लगभग 25 फ़ीसदी ही अर्थात 52548 करोड़ रुपए बतौर क़र्ज़ बिहार में निवेश किया है ।उक्त बयान उन्होंने खाजपुरा में जदयू सदस्यता अभियान शिविर के उद्घाटन सम्बोधन में कही।

आरजेडी के सम्मेलन में बवाल लालू के बेटे तेज प्रताप यादव गुस्से में निकले

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे और बिहार के वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने पार्टी नेता श्याम रजक पर आरोप लगाया है कि उन्होंने मंत्री और उनकी बहन को भद्दी भद्दी गालियां दी। दिल्ली में आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक छोड़कर निकले तेज प्रताप यादव ने मीडिया से वार्ता में यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसका ऑडियो भी है। जिसे अपने पेज से वायरल कर पूरे प्रदेश की जनता को सुनाएंगे। बैठक छोड़ कर बीच से निकले तेज प्रताप से मीडिया कर्मियों ने जब वजह पूछ लिया उन्होंने कहा कि गाली सुनने के लिए बैठक में क्यों रहेंगे? तेज प्रताप ने कहा की श्याम रजक ने उनके पी ए को भी गाली दी। तेज प्रताप ने लगे हाथ श्याम रजक पर आरएसएस और भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाया और पार्टी से निकालने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब श्री रजक से बैठक की टाइमिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपने जवाब में गालियां दी। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हो रहा है जिसमें गाली गलौज किया जा रहा है। यह ऑडियो श्याम रजक का बताया जा रहा है। ऑडियो में कहा जा रहा है कि मंत्री बन गया तो पीए से बात करवाता है। इस दौरान गाली-गलौज अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया है। दिल्ली में राजद का दो दिवसीय बैठक हो रही है। पहले दिन 9 अक्टूबर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। लालू यादव के अलावे शरद यादव, तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव, रामचंद्र पूर्वे, अब्दुल बारी सिद्दिकी, श्याम रजक समेत पार्टी के कई नेता मंच पर बैठे। तेजप्रताप यादव और श्याम रजक मंच पर एक साथ बैठे थे।बैठक के दौरान भारी बवाल हुआ। मीटिंग शुरू होने के थोड़े देर बाद ही लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप गुस्से में लाल होकर मीटिंग छोड़कर निकल गये।

सबसे ज्यादा कंडोम मुसलमान इस्तेमाल कर रहे, मोहन भागवत के बयान पर बोले असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में मुस्लिम आबादी विवादः ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत से कहा है कि वे घबराएं नहीं क्योंकि देश में मुस्लिम आबादी घट रही है। भारतीय मुसलमान सबसे ज्यादा कंडोम (गर्भ निरोधक) का सबसे अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी का ये रिएक्शन मोहन भागवत के जनसंख्या को लेकर दिए गये बयान के बाद आया। भागवत ने एक व्यापक जनसंख्या नीति का आह्वान किया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बढ़ती आबादी बोझ न बने बल्कि इसे एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

भारतीय मुसलमान सबसे ज्यादा कंडोम यूज करते हैं- ओवैसी

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हालिया जनसंख्या असंतुलन टिप्पणी का जवाब देते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया है कि मुस्लिम समुदाय दो बच्चों के बीच अंतर बनाए रखने के लिए परिवार नियोजन उपकरण, कंडोम का सबसे अधिक उपयोग करता है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि भागवत इसका जिक्र नहीं करेंगे और उन्हें जनसंख्या वृद्धि पर चर्चा करने से पहले डेटा रखना चाहिए। ओवैसी ने कहा मुसलमानों की आबादी नहीं बढ़ रही है। उस पर कोई टेंशन न लें। हमारी आबादी घट रही है। मुसलमानों के बच्चों का ऋन्नक्र (कुल प्रजनन दर) घट रहा है। आप जानते हैं कि कौन दो बच्चों के बीच अधिक दूरी बनाए रखता है? कंडोम का सबसे ज्यादा इस्तेमाल कौन कर रहा है? यह केवल मुसलमान है। कंडोम का सबसे ज्यादा इस्तेमाल हम उपयोग कर रहे हैं। मोहन भागवत इसके बारे में बात नहीं करेंगे।

भागवत पर साधा असदुद्दीन ओवैसी ने निशाना

भागवत ने 5 अक्टूबर को कहा था कि भारत को व्यापक सोच के बाद जनसंख्या नीति तैयार करनी चाहिए और सभी समुदायों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। नागपुर के रेशमबाग मैदान में आरएसएस की दशहरा रैली में भागवत ने कहा था कि समुदाय आधारित जनसंख्या असंतुलन एक महत्वपूर्ण विषय है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जनसंख्या असंतुलन से भौगोलिक सीमाओं में परिवर्तन होता है। हैदराबाद के सांसद ने आगे कहा मैं सच बता रहा हूँ। (भागवत कहते हैं) जनसंख्या बढ़ रही है। भागवत साहब कहाँ बढ़ रहे हैं? आप डेटा रखते हैं और बोलते हैं।

दिल्ली सरकार से मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने दिया इस्तीफा, धर्मांतरण कार्यक्रम में दिया था विवादित बयान, केजरीवाल भी थे नाराज

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली सरकार में मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने विवादित बयान के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया हैं। उन्होंने इस्तीफा देते हुए कहा कि मैं अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा। पिछले कई दिनों से मुझे और मेरे परिवार को धमकी दी जा रही हैं। मैं आपने कारण अपनी पार्टी का अहित नहीं होने देना चाहता हूं, मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं, इस लिए पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं। राजेंद्र पाल गौतम का एक 'धर्मांतरण कार्यक्रम' में कथित तौर पर शामिल होने के बाद लोगों को भगवान राम, शिव , विष्णु, देवी-देवताओं की पूजा न करने की शपथ दिलाइ थी। इस पूरी घटना का वीडियो वायरल हो गया था, चारों तरह राजेंद्र पाल गौतम की आलोचना की जा रही थी। माना जा रहा है गुजरात चुनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल भी नाराज थे। अब तमाम तमाशे के बाद राजेंद्र पाल गौतम ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया हैं।

दिल्ली सरकार में मंत्री राजेंद्र पाल गौतम का एक 'धर्मांतरण कार्यक्रम' में कथित तौर पर शामिल होने से जुड़ा एक वीडियो सामने आने के बाद वह शुक्रवार को विवाद में घिर गये। शुक्रवार को वायरल हुए इस वीडियो में, कार्यक्रम में शामिल हजारों लोग बौद्ध धर्म अपनाने का संकल्प लेते और हिंदू देवी-देवताओं की निंदा करते सुने जा सकते हैं। वीडियो शुक्रवार को वायरल होने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निधाना साधते हुए उनसे गौतम को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। हालांकि, गौतम ने बयान जारी कर कहा कि वह ''बहुत धार्मिक व्यक्ति हैं और अपने कर्म तथा वचन से किसी देवता की सपने में भी आलोचना/निंदा नहीं कर सकते हैं।'' आम आदमी पार्टी (आप) या दिल्ली सरकार की कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन आप सूत्रों ने दावा किया कि मुख्यमंत्री इसे लेकर समाज कल्याण मंत्री गौतम से 'बेहद नाखुश' हैं।

गौतम ने बयान में भाजपा पर उनके खिलाफ अफवाह फैलाने और दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया और कहा कि ''भाजपा के प्रोपगैंडा के कारण जिनकी भावनाएं आहत हुई हैं, उनसे हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं।'' भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने संवाददाता सम्मेलन में 'आप' पर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'गौतम की टिप्पणी उस नफरत को दर्शाती है, जो पार्टी के मन में समुदाय (हिंदुओं) के प्रति है।' उल्लेखनीय है कि पांच अक्टूबर को करीब 10,000 लोगों ने इस कार्यक्रम में बौद्ध धर्म अपनाने का कथित तौर पर संकल्प लिया। साथ ही, महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं का पालन करने और हिंदू देवी-देवताओं की पूजा त्यागने का संकल्प लिया। गौतम ने उस दिन खुद ट्विटर पर इस कार्यक्रम की तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने कहा था कि 10,000 से अधिक लोगों ने बौद्ध धर्म अपनाने और भारत को जातिवाद व छुआछूत से मुक्त

कराने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया। कथित वीडियो में गौतम को कार्यक्रम में शामिल हुए अन्य लोगों के साथ मंच साझा करते देखा जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

EVM इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और RTI विषय पर आयोजित हुआ 120 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान पूर्णतया सुरक्षित और गड़बड़ी से इनकार – पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तओम प्रकाश रावत

तकनीको में भी पारदर्शिता आवश्यक – श्रीनिवास कोडाली

आरटीआई से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी – पूर्व सूचना आयुक्तआत्मदीप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और आरटीआई को लेकर 120 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओम प्रकाश रावत सम्मिलित हुए।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर तकनीकी विशेषज्ञ और आईआईटी मद्रास के एलुमनाई श्रीनिवास कोडाली एवं मध्यप्रदेश के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप सम्मिलित हुए।

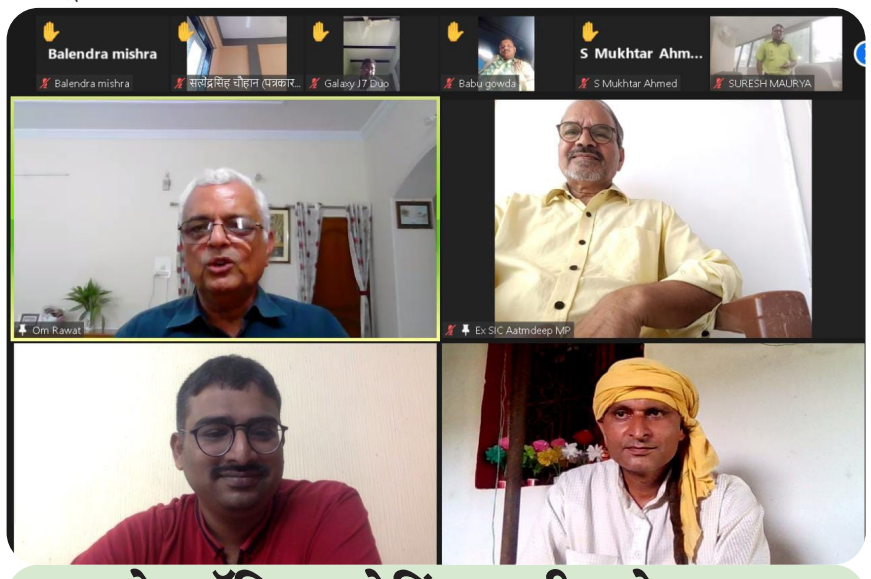

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से चुनाव पूर्णतया सुरक्षित और हर गड़बड़ी से इनकार – पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तओम प्रकाश रावत

कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और उससे होने वाले मतदान के विषय में अपना विचार रखते हुए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तएवं देश के विभिन्न प्रशासनिक पदों पर अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके ओम प्रकाश रावत ने कहा कि देश में एक ऐसा समय था जब वैलेट पेपर से मतदान हुआ करता था। बैलेट पेपर से कराया जाने वाला मतदान काफी खर्चीला, समय लेने वाला और साथ में विभिन्न प्रकार की गड़बड़ी की आशंका से भरा रहता था। ऐसे में नवीन तकनीकों का उपयोग करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से मतदान कराने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई जिस पर एकबार सुप्रीम कोर्ट के द्वारा आपत्ति की गई लेकिन इसके उपरांत संविधान में नियम पारित करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से पूरे देश में चुनाव करवाया जाने लगा। वर्ष 2013 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका फाइल की गई जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के पैटर्न पर बदलाव हुआ और वोटर वेरीफाईएबल पेपर ऑडिट ट्रेल के माध्यम से चुनाव होने लगा जिसमें 5 वर्ष तक मतदान से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक एवं पेपर से संबंधित जानकारी सुरक्षित रहती है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत की चुनाव प्रक्रिया पूरे विश्व में जानी जाती है और विभिन्न देशों लोग आकर यहां की मतदान प्रक्रिया को समझने का प्रयास करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से होने वाले मतदान में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं रहती है और यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी होती है तो मशीन रिसेट फैक्ट्री मोड में चली जाती है।

विघ्न संतोषी तत्व ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की प्रक्रिया पर उठाते हैं प्रश्न

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के विषय पर ओम प्रकाश रावत ने आगे कहा की कई बार देखा गया है कि राजनीतिक लोग जब चुनाव हार जाते हैं तो वह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर ही प्रश्न खड़ा कर देते हैं लेकिन उन्हीं के पार्टी के 90 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरे स्थानों पर जीतते हैं तो उस पर उनका कोई जवाब नहीं रहता है। उनका कहना था कि यह सिर्फ ऐसे लोग हैं जो हर बात में कुछ न कुछ गड़बड़ी निकालते रहते हैं और मतदान को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान सीसीटीवी कैमरे लगे होने से भी गड़बड़ी की गुंजाइश कम

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तओम प्रकाश रावत ने कहा कि आज हर मतदान केंद्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के लिए कोर्ट से सख्त निर्देश दिए गए हैं जो एक निश्चित समय अवधि लगभग 45 दिन तक सुरक्षित रखे जाते हैं। यदि किसी भी प्रकार से मतदान केंद्रों में गड़बड़ी की आशंका है तो यह जानकारी आरटीआई लगाकर प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से चुनाव होने के उपरांत इन्हें स्ट्रांग रूम में रखा जाता है जहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होती है इसलिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से किसी भी प्रकार की गड़बड़ी किया जाना संभव नहीं है।

ईवीएम स्टेटस पेपर में हर प्रकार के संदेहों का किया गया है समाधान

पूर्व चुनाव आयुक्त ने कहा की जब देश के विभिन्न भागों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से कराए जाने वाले मतदान को लेकर संदेह और प्रश्न खड़े होने लगे तो इस विषय पर चुनाव आयोग के द्वारा ईवीएम स्टेटस पेपर के माध्यम से समस्त प्रश्नों के जवाब एकत्रित करते हुए इसे पब्लिक पोर्टल पर साझा किया जा चुका है जो हिंदी अथवा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में आज उपलब्ध हैं। इसमें उन सभी प्रश्नों के जवाब दिए गए हैं कि यूरोप के विभिन्न देशों और अमेरिका के विभिन्न देशों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान हो रहे हैं अथवा क्यों नहीं हो रहे हैं एवं साथ में इससे जुड़े हुए समस्त प्रकार के प्रश्नों के उत्तर उपलब्ध हैं जो कहीं भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

तकनीकों का उपयोग आवश्यक लेकिन पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद जरूरी – तकनीकी विशेषज्ञ श्रीनिवास कोडाली

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पधारे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना क्षेत्र से तकनीकी विशेषज्ञ और विभिन्न अखबारों में तकनीकी लेखक आईआईटी मद्रास के एलुमनाई श्रीनिवास कोडाली ने कहा की तकनीकें बेहद जरूरी हैं और उनका उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा डिजिटाइजेशन और तकनीकों के प्रयोग के लिए वह निरंतर काम कर रहे हैं लेकिन तकनीको को टैम्पर करते हुए भी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन अथवा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंट में गड़बड़ी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में इसके पहले आधार डाटा और वोटर आईडी से लिंक किए जाने के मामले के भी कुछ राजनीतिक दलों द्वारा गलत लाभ लिए जाने के कुछ किस्से के सामने आए थे जिस पर कई लोगों ने मुखर होकर आवाज रखी थी। उन्होंने कहा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से संबंधित संदेह इसलिए बढ़ जाते हैं क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के अंदर क्या हो रहा है उसके अंदर क्या है और उसकी पहुंच किन एजेंसी के पास है इससे लोगों में संदेह होना स्वाभाविक है। उनका कहना था कि जो भी वस्तुएं हमें दिखती हैं वह पारदर्शी होनी चाहिए और सभी को पता चलना चाहिए कि आखिर उसके अंदर क्या है। ऐसे में जहां संदेह दूर होता है वहीं व्यवस्थाओं के प्रति और प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ता है। श्रीनिवास कोडाली ने कहा कि उनका उद्देश्य यह नहीं है की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन गलत है अथवा उनके द्वारा कोई आरोप लगाया जा रहा है बल्कि उनका यह कहना है कि किसी भी प्रकार की व्यवस्था में गड़बड़ी संभव है और शासन प्रशासन को हर प्रकार के सुझाव और बेहतरी के लिए खुला होना चाहिए। श्रीनिवास ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे कुछ यूरोपियन हैकर ने किसी भारतीय के साथ मिलकर एक ईवीएम मशीन को हैक कर दिखाया था कि उसमें क्या-क्या टैम्परिंग की जा सकती है। जिसके बाद भारतीय व्यक्ति के ऊपर मुकदमा दायर कर दिया गया और उसे जेल में डाल दिया गया और यूरोपियन को देश के बाहर भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से ऑटोक्रेटिक और अथॉरिटेरियन स्थिति चिंताजनक है। बेहतर यह होगा की हर प्रकार की गड़बड़ी को समझते हुए उसमें और अच्छा कैसे सुधार किया जाए सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही अन्य कई मुद्दों पर भी उन्होंने चर्चा की और आधार डाटा के दुरुपयोग और वोटर आईडी से जोड़ने से क्या नुकसान हो सकता है इस परिपेक्ष में उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य में ऐसे मतदाताओं के ऐसे लाखों मतदाताओं के उदाहरण दिए जो आधार डाटा सही तरीके से लिंकिंग न होने की वजह से मतदान देने से वंचित हो गए थे।

आरटीआई कानून से मतदान के क्षेत्र में भी पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है – आत्मदीप

कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने भी अपने विचार रखे और उन्होंने कहा कि सूचना के अधिकार कानून का उद्देश्य पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है। चाहे वह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन हो अथवा मतदान से संबंधित कोई भी प्रक्रिया इन सब में यदि सूचना के अधिकार का उपयोग किया जाता है तो बेहतर व्यवस्था लाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और मतदान केंद्रों में मतदान से संबंधित डाटा आरटीआई के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है और इससे पारदर्शिता जवाबदेही बढ़ेगी। आवेदकों के प्रश्नों को लेकर उन्होंने जवाब दिया की ऐसे समस्त दस्तावेज जो लोक क्रियाकलाप से संबंधित हैं और जिनमें लोक धन का उपयोग होता है उन्हें आरटीआई के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अपने आदेशों में पहले भी उन्होंने सर्विस बुक भी उपलब्ध करवाई है।

कार्यक्रम का संचालन एक्टिविस्ट शिवानन्द द्विवेदी द्वारा किया गया और कार्यक्रम के सहयोगीयों में अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा आरटीआई रिवॉल्यूशनरी ग्रुप के आईटी सेल से पवन दुबे छत्तीसगढ़ से देवेंद्र अग्रवाल भी सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में उत्तराखंड से आरटीआई रिसोर्स पर्सन देवेंद्र कुमार ठक्कर ने भी कई प्रश्नों के जवाब दिए।